राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कॉकटेल 2 में मेरा किरदार दर्शकों... 11

वर्ष - 02, अंक - 01 | गाजियाबाद / रविवार 05 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

लाखों कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

नए लेबर कोड के तहत अब कुछ कर्मचारियों को 1 साल के बाद भी मिलेगा ग्रेच्युटी का अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए लेबर कोड के तहत ग्रेच्युटी के नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। अब कुछ योग्य कर्मचारियों को सिर्फ एक साल की लगातार सेवा के बाद भी ग्रेच्युटी पाने का अधिकार मिल सकता है, जबकि पहले इसके लिए 5 साल तक नौकरी करना जरूरी था। नए श्रम कानूनों के अनुसार, फिक्स्ड-टर्म और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर ग्रेच्युटी पहले से मिलने लगेगी। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्थायी (परमानेंट) कर्मचारियों के लिए अभी भी 5 साल की सेवा पूरी करनी जरूरी है, लेकिन मृत्यु या दिव्यांगता के मामलों में छूट दी गई है। फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी वे होते हैं जिन्हें कंपनियां एक तय समय के लिए लिखित कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त करती हैं, जो आमतौर पर एक या दो साल का हो सकता है। अब ऐसे कर्मचारियों की ग्रेच्युटी उनकी नौकरी की अवधि के अनुसार तय की जाएगी। इन नए नियमों से देश के औपचारिक (फॉर्मल) सेक्टर के लाखों कर्मचारियों को नौकरी के बाद मिलने वाले लाभों तक पहुंच आसान हो सकती है। नए लेबर कोड के मुताबिक, ग्रेच्युटी

की गणना वेतन के आधार पर होगी, जो कर्मचारी के कुल सीटीसी (कॉस्ट-टू-कंपनी) का कम से कम 50 प्रतिशत होना चाहिए। श्रम मंत्रालय के अनुसार, वेतन में बेसिक सैलरी, महंगाई भत्ता (डीए), रिटेनिंग अलाउंस और अन्य भत्ते शामिल होते हैं, जो कर्मचारी को दिए जाते हैं। जिन कर्मचारियों का पहले बेसिक वेतन कम था, उनके लिए अब ग्रेच्युटी की रकम में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। श्रम मंत्रालय ने अपने एफएक्यू में कहा है कि ग्रेच्युटी के ये नए नियम लागू हो गए हैं और संस्थानों को इसके लिए अपने अकाउंटिंग नियमों के अनुसार प्रावधान करना होगा। इसका मतलब है कि अब नौकरी जॉइन करने वाले कर्मचारी ही एक साल की लगातार सेवा पूरी करने के बाद ग्रेच्युटी का दावा कर सकेंगे।

क्या होती है ग्रेज्युटी

- मान लो आपने 6 साल तक किसी कंपनी में काम किया। जब आप नौकरी छोड़ते हो, तो कंपनी आपको आपकी सेवा के लिए कुछ अतिरिक्त पैसा देती है, वही ग्रेच्युटी है।
- यह सैलरी से अलग होती है
- यह कंपनी की तरफ से धन्यवाद के रूप में दी जाती है
- आमतौर पर 5 साल की नौकरी पूरी होने पर मिलती है
- यह एक लंपसम (एक बार में) मिलती है

घायल हूँ इसलिए घातक हूँ : राघव चड्ढा

● आप के हर झूठ को बेनकाब करने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए आम आदमी पार्टी की ओर से उन पर लगाए गए आरोपों पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी के सभी आरोप बेबुनियाद और बेतुके हैं। राघव चड्ढा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मैं बोलना नहीं चाहता था, मगर चुप रहता तो बार-बार दोहराया गया झूठ भी सच लगने लगता। तीन आरोप। जरा भी सच नहीं।'' राघव चड्ढा ने कहा कि पहला आरोप यह लगाया गया कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है, तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं और उनका साथ नहीं देते। चड्ढा ने इसे पूरी तरह गलत बताया और कहा कि उन्होंने हर वॉकआउट में विपक्ष का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि

राज्यसभा में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और उसे देखकर आसानी से सच सामने आ सकता है। दूसरा आरोप यह था कि राघव चड्ढा ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इंपीचमेंट मोशन पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि यह भी झूठ है। न तो उन्हें इसके लिए किसी ने आधिकारिक तौर पर कहा, न अनौपचारिक तौर पर। आम आदमी पार्टी के दस सांसदों में से कई ने खुद ही उस मोशन पर साइन नहीं किया था। कुल मिलाकर इस याचिका के लिए 50 सिग्नेचर की जरूरत थी और विपक्षी सांसदों की संख्या 105 है। फिर भी सारा दोष मुझ पर क्यों लगाया गया, यह समझ से परे है।

तीसरा आरोप यह लगाया गया कि राघव चड्ढा डर गए हैं और इसलिए बेकार मुद्दे उठाते हैं। वह संसद में शोर मचाने या गाली देने नहीं जाते। उनका उद्देश्य जनता के मुद्दों को उठाना है। उन्होंने जीएसटी, इनकम टैक्स, पंजाब का पानी, दिल्ली की हवा, सरकारी स्कूलों की हालत, पब्लिक हेल्थकेयर, रेलवे यात्रियों की समस्याएं, मेन्स्ट्रुअल हेल्थ, बेरोजगारी और महंगाई जैसी तमाम समस्याएं संसद में उठाई हैं। उनका कहना है कि उनका चार साल का रिकॉर्ड संसद में ही देखा जा सकता है। उनका मकसद हमेशा जनता के मुद्दों को सामने लाना रहा है, न कि अपने लिए कोई शो बनाना।

सीएम योगी ने स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ, बच्चों को वितरित की किताबें और बस्ते,बोले

'शिक्षा राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम'

लखनऊ/वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को पुस्तकें और स्कूल बस्ते वितरित किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री या सर्टिफिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को गढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने गुरुओं और शिक्षकों की भूमिका की महत्ता बताते हुए कहा कि यदि शिक्षक अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे, तो इसके बेहतरीन परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग की सराहना करते हुए बताया कि 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत अब 1,36,000 से अधिक स्कूल बुनियादी सुविधाओं से युक्त हैं। ऑपरेशन निपुण और पूर्व की स्थिति पर प्रकाश योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'ऑपरेशन निपुण' के माध्यम से बच्चों में सामान्य शिक्षा के प्रति जिज्ञासा बढ़ी है और उन्हें अक्षर व अंकों का ज्ञान मिला है। उन्होंने 2017 से पहले शिक्षा व्यवस्था की तुलना करते हुए बताया कि पहले न तो गरीब बच्चों की चिंता थी और न ही शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती थी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सामाजिक और आर्थिक समानता लाने तथा सामाजिक न्याय के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए सभी बच्चों को शिक्षित करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में स्कूली शिक्षा पर 80,000 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा रही है और इसका उद्देश्य स्पष्ट परिणाम प्राप्त करना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया दून बुक फेस्टिवल-2026 का शुभारंभ

'महोत्सव साहित्य, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम'

■ समाज में ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान को नई दिशा प्रदान करेगा कार्यक्रम

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून परेड ग्राउंड में आयोजित 'दून बुक फेस्टिवल-2026' का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकाशकों द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन और गढ़वाली एवं कुमांऊनी पुस्तकों का विमोचन भी किया।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने देशभर से आए साहित्यकारों, कलाकारों एवं साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह महोत्सव साहित्य, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम है, जो समाज में ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान को नई दिशा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस 9 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सत्रों, संवाद कार्यक्रमों, पुस्तक परिचाओं तथा लेखक से मिलिए जैसे आयोजनों के माध्यम से साहित्यिक विमर्श को समृद्ध किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के लिए स्थापित चिल्ड्रेन पवेलियन को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी में पठन-पाठन की रुचि विकसित होगी।

पुस्तकें केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का स्थायी स्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का स्थायी स्रोत हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे विभिन्न अवसरों पर उपहार स्वरूप पुस्तकों एवं पौधों को प्रोत्साहित करें, जिससे समाज में ज्ञान और पर्यावरण दोनों के प्रति जागरूकता बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को पुनः प्रतिष्ठित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार भी उत्तराखंड की साहित्यिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश की साहित्यिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि की इस पावन भूमि ने अनेक महान साहित्यकारों को जन्म दिया है और यह प्रदेश सदैव ज्ञान, संस्कृति एवं सृजन का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान, साहित्य भूषण तथा अन्य पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन हेतु अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में साहित्य ग्रामों की स्थापना की जा रही है, जिससे साहित्यकारों को सृजन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सकेगा तथा उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिन्द मराठी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक, देवभूमि उत्तराखण्ड यूनवर्सिटी के उपाध्यक्ष अमन बंसल मौजूद थे।

ईरान का इजराइल के शहरों पर हमला, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

यरूशलम (एजेंसी)। शनिवार सुबह ईरान ने इजराइल के रमत गन और तेल अवीव के आस-पास के रिहायशी इलाकों में मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मिसाइल के टुकड़े गिरने से रमत गन में एक इमारत आंशिक रूप से ढह गई, गाड़ियाँ जल गईं और कई लोग घायल हुए। इजराइली सेना ने पुष्टि की है कि ये हमले सीधे तौर पर शहरी इलाकों को निशाना बना रहे हैं। यह हमला चल रहे संघर्ष के बीच हुआ है।

अमेरिका के रक्षा बजट में 44% इजाफा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्त वर्ष 2027 के लिए रिकॉर्ड 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है, जो 44 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे पेंटागन के खर्च में भारी वृद्धि होगी, जबकि कई घरेलू कार्यक्रमों में कटौती की जाएगी। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस प्रशासन ने कहा कि यह अनुरोध सुरक्षा दबावों में वृद्धि के समय में संयुक्त राज्य अमेरिका की सैन्य श्रेष्ठता को बनाए रखने को सुनिश्चित करेगा।

दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा है, जो उत्तरी पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में घरेलू सहायिका बनकर अवैध रूप से रह रही थीं। पुलिस ने उनसे दो स्मार्टफोन भी बरामद किये, जिनमें प्रतिबंधित 'आईएमओ' एप्लिकेशन इंस्टॉल था। साथ ही इन उपकरणों में बंगलादेशी पहचान दस्तावेज भी सहेजकर रखे गए थे।

मेट्रो पोस्टर कांड : लश्कर हैंडलर शब्बीर 7 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी और मेट्रो पोस्टर मामले से जुड़े हाल ही में पकड़े गए मॉड्यूल के संचालक शब्बीर अहमद लोन को अदालत में पेश किया। आतंकी शब्बीर अहमद लोन की पांच दिन की पुलिस कस्टडी पूरी होने के बाद शनिवार को उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे सात दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर अहमद लोन उसी मॉड्यूल का हैंडलर था, जिसमें पहले आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

31 लाख सिलेंडर जितनी गैस पहुंचेगी भारत

एलपीजी टैंकर सान्वी ने पार किया होर्मुज, दो और टैंकर लाइन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारतीय ध्वज लगा एक और एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रूप से गुजर गया। जहाज ट्रैकिंग डाटा के अनुसार, यह इस अहम समुद्री मार्ग को सुरक्षित पार करने वाला सातवां भारतीय पोत है।

जहाज ने ईरान के समुद्री इलाके से होकर एक तय रास्ते का इस्तेमाल किया ताकि वह रणनीतिक रूप से संवेदनशील पानी के रास्ते से गुजर सके। अनुमान लगाया जा रहा है कि टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी है, जो पश्चिम एशिया में चल रहे झगड़े से पहले भारत में लगभग आधे दिन की एलपीजी की खपत के बराबर है। औद्योगिक विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में भारत के झंडे वाले दो और एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा और जग विक्रम' के स्ट्रेट पार करके भारत आने की उम्मीद है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को तीन श्रेणी में बांटने की तैयारी

तेहरान। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज को तीन श्रेणी में बांटने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान देशों को 'शत्रु', 'तटस्थ' और 'मित्र' देशों के रूप में वर्गीकृत करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत 'शत्रु' देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जबकि 'तटस्थ' देशों को वहां से गुजरने के लिए शुल्क देना होगा और मित्र देश को आसान या बिना रोक-टोक प्रवेश की अनुमति देगा।

5 किलो एलपीजी सिलेंडर के लिए एड्रेस प्रूफ जरूरी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि अब 5 किलो एलपीजी सिलेंडर खरीदने के लिए एड्रेस प्रूफ की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता केवल वैध पहचान पत्र (आईडी) दिखाकर इसे नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर से खरीद सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला खासतौर पर प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए लिया गया है, जिनके पास स्थानीय पते के दस्तावेज नहीं होते ताकि उन्हें खाना पकाने के लिए गैस आसानी से मिल सके। 23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 5.7 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जिसमें हाल ही में एक दिन में 71,000 से ज्यादा सिलेंडर की बिक्री हुई है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोगों से अपील की है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें।

ईरान से तेल कार्गो के डायवर्जन की खबरें गलत : केन्द्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को उन खबरों और सोशल मीडिया दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण ईरान का कच्चा तेल भारत के वाडिनार से चीन भेज दिया गया। सरकार ने इन दावों को 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और भ्रामक बताया है। ईरान से तेल आयात में कोई भुगतान संबंधी बाधा नहीं है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला: रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई और अब कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह

मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड डील से जुड़ा हुआ है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाड्रा और अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट अब इस बात पर फैसला करेगा कि इस चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। इसके लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की गई है। दरअसल, यह पूरा मामला साल 2008 का है, जब गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में करीब 3.53 एकड़ जमीन का सौदा हुआ था। ईडी का आरोप है कि इस जमीन खरीद-फरोख्त में मनी लॉन्ड्रिंग और गड़बड़ियां हुईं।

राजस्थान एसआई भर्ती 2021 मामले में अभ्यर्थियों को झटका

● हाईकोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को रखा बरकरार

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने शनिवार को प्रदेश की एसआई भर्ती-2021 को पूरी तरह रद्द करने का आदेश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ द्वारा 28 अगस्त 2025 को सुनाए गए फैसले को सही मानते हुए सरकार और चयनित अभ्यर्थियों की अपीलों को खारिज कर दिया है। डिवीजन बेंच ने भी 859 पदों पर हुई भर्ती को रद्द करने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने माना कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपरलीक, धांधली और अनियमितताएं हुई थीं, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया की शुचिता भंग हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के फैसले पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट को मामले का निपटारा जल्द करने को कहा था।

8 लाख अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद 19 जनवरी को अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था। भर्ती रद्द कराने को लेकर असफल अभ्यर्थियों ने बड़े पैमाने पर आंदोलन किया था। इस भर्ती में शामिल होने के लिए तकरीबन 8 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

110 से ज्यादा लोगों की हुई थी गिरफ्तारी

इस मामले की जांच कर रही एसआईटी की टीम ने अब तक 60 के करीब चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही 110 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन के कई तत्कालीन सदस्य भी गिरफ्तार कर जेल भेजे गए थे। हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एसपी शर्मा की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाया।

'ईसीआईनेट' से मिलेगी उम्मीदवारों के क्रिमिनल रिकॉर्ड और संपत्ति की डिटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों को लेकर मतदाताओं के लिए एक बड़ी सुविधा शुरू की है। चुनाव आयोग ने 'ई-सीआईनेट' प्लेटफॉर्म के जरिए अब नागरिकों को उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक रिकॉर्ड, संपत्ति और अन्य जरूरी जानकारी आसानी से देखने की सुविधा दी है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के साथ-साथ गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड व त्रिपुरा की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। 9 अप्रैल को होने वाले

चुनावों के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल (फेज-1 और 2) और तमिलनाडु में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की आखिरी तारीख तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (फेज-1) के लिए 9 अप्रैल है जबकि पश्चिम बंगाल (फेज- 2) के लिए 13 अप्रैल तय की गई है।

1000 किलोग्राम के 600 एरियल बम की खरीद करेगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वदेशी हथियारों के निर्माण और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार नए इकोसिस्टम के विकास में जुटी है। इसी क्रम में भारतीय वायुसेना ने 1000 किलोग्राम के एरियल बम के लिए स्वदेशी कंपनियों से जानकारी मांगी है। खास बात यह है कि वायुसेना को अमेरिकी एमके-84 जैसा शक्तिशाली एरियल बम चाहिए। इसके लिए वायुसेना और रक्षा मंत्रालय ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 के तहत 1000 किलोग्राम के एमके-84 के समान एरियल बम के स्वदेशी डिजाइन, विकास और खरीद के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई। इस परियोजना को दो चरणों में विभाजित किया जाएगा। पहले चरण में प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे, जबकि दूसरे चरण में स्वदेशी कंपनियों से इनकी खरीद की जाएगी। पहले चरण में कुल 6 प्रोटोटाइप बनाए जाएंगे, जिनमें वास्तविक और डमी दोनों प्रकार के बम शामिल होंगे।

देसी शराब पीने से तीन लोगों की मौत, उपचार के दौरान तोड़ा दम, जांच के लिए चार टीम गठित

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने शुक्रवार शाम कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। उसने बताया कि शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व पेट दर्द की शिकायत होने लगी। पुलिस ने बताया कि तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जितेंद्र और अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबूराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर, जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय और जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शराब के जहरीले या उपयोग की अवधि समाप्त होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाउच की पैकेजिंग तिथि 11 फरवरी 2026 पाई गई है और उसी खेप के अन्य पैक भी बेचे गए हैं, जिनसे किसी अन्य स्थान से ऐसी शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य, फॉरेंसिक, सर्विलांस और गोपनीय शाखा की चार टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी जिले के सिंधोरा थाना क्षेत्र में भदेवली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पड़ोसी रामचंद्र ने बताया कि मृतक रमेश चंद्र भारती (58) जूनियर हाईस्कूल सिंधोरा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी चमेला देवी (56) के साथ खेत में गेहूं की फसल का बोझ बांधने गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पास स्थित नटवा बीर बाबा मंदिर के पास एक पकड़ी के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

केदारनाथ में बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद, भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद

नई दिल्ली(एजेंसी)। गर्मी के मौसम में देश के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में बारिश, ओले और बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद की गई। उत्तर प्रदेश की कोसीकला अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। इससे पहले राज्य में अलग-अलग जगह बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। राजस्थान में शुक्रवार को रेगिस्तानी जिले जैसलमेर-बीकानेर में जमकर ओले गिरे। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। 5-6 अप्रैल को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है। तमिलनाडु में बिजली गिर सकती है।

सोरेन को विधायक सरयू राय का सुझाव... .झारखंड में बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाए

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल सकता है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाने का सुझाव दिया है। उनके बयान से राज्य में नए राजनीतिक समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल विधायक राय ने कहा है कि झारखंड में ऐसी सरकार बन सकती है, जिसमें न बीजेपी की जरूरत होगी और न ही कांग्रेस पार्टी की जरुरत हो। उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन से कहा कि अगर वे हिम्मत दिखाएं, तब वे खुद बाहर से बिना किसी शर्त के समर्थन देने को तैयार हैं। विधायक राय ने विधानसभा का गणित भी समझाया। उन्होंने बताया कि झारखंड विधानसभा में बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत होती है। जेएमएम के पास 34 विधायक हैं। आरजेडी के 4 विधायक। भाकपा माले के 2 विधायक और जयराम महतो का 1 वोट है। इन सभी को मिलाकर कुल संख्या 41 हो जाती है, इससे झारखंड में सरकार आसानी से बनाई जा सकती है। राय का कहना है कि इस स्थिति में कांग्रेस या बीजेपी के समर्थन की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कांग्रेस और जेएमएम के बीच बढ़ते तनाव को भी इस स्थिति की वजह बताया। उनके अनुसार, बिहार और असम चुनाव में कांग्रेस ने जेएमएम को सही हिस्सेदारी नहीं दी, जिससे दोनों पार्टियों के रिश्तों में खटास आई है। सरयू राय ने कहा कि चुनाव के समय पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ बोलती हैं और बाद में साथ आ जाती हैं, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता कम होती है। उन्होंने संकेत दिया कि असम चुनाव के नतीजों के बाद झारखंड की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं और नए राजनीतिक विकल्प सामने आ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे, 32 साल बाद दंपती को मिला तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय की एक मिसाल पेश करते हुए तीन दशकों से चल रहे एक लंबे कानूनी संघर्ष का अंत कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए एक बुजुर्ग दंपती के बीच चल रहे मामले के साथ कुल 61 मुकदमों को एक झटके में रद्द कर दिया और उन्हें तलाक की मंजूरी दे दी। साल 1994 से चले आ रहे इस विवाद में पति और पत्नी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद और मानहानि जैसे दर्जनों मामले लंबित थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जब किसी वैवाहिक रिश्ते में सुधार की कोई गुंजाइश न बचे और वह पूरी तरह टूट चुका हो, तो उसे खींचने के बजाय स्थायी रूप से समाप्त करना ही न्यायसंगत है।

यह मामला मूल रूप से अवमानना याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि दोनों पक्ष पिछले 30 वर्षों से केवल कानूनी दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कोर्ट ने पहले दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाई और उन्हें आपसी सहमति से अलग होने के लिए प्रेरित किया। लंबी बातचीत के बाद, पति अपनी पत्नी को स्थायी भरण-पोषण (एलिमनी) के रूप में एक करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि देने पर सहमत हुआ। इसके अतिरिक्त, लोनावला स्थित एक संपत्ति में पत्नी के हिस्से के बदले 90 लाख रुपये अलग से जमा करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने संपत्ति के बंटवारे और वित्तीय लेनदेन को लिखित रूप में दर्ज करने के बाद ही इस समझौते पर अपनी मुहर लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले के जरिए ट्रायल कोर्ट, हाई कोर्ट और स्वयं सुप्रीम कोर्ट में लंबित सभी 61 दीवानी और आपराधिक मामलों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा उन्हीं पुराने मुद्दों पर कोई नया केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 142 का उपयोग पूर्ण न्याय करने के लिए किया गया है ताकि पक्षकारों को कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके। दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष सहमति दी कि वे अब कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते हैं और भविष्य में शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यह फैसला अदालतों में लंबित वर्षों पुराने मुकदमों के निपटारे के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा रहस्यमय ड्रोन... पुलिस और सुरक्षा एजेंसी जांच में जुटी

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

मालदा (एजेंसी)।, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलिकॉप्टर के पास रहस्यमय ड्रोन दिखने से मालतीपुर इलाके में हड़कंप मच गया। इस अजीबोगरीब घटना ने ममता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना तब हुई जब ममता अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलिकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही सीएम ममता हेलिपैड पर हेलिकॉप्टर के पास पहुंचीं, एक ड्रोन उसके सामने मंडराता दिखाई दिया। यह देखकर ममता बनर्जी कुछ पल के लिए रुक गईं और माइक संभालते हुए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए। इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल ड्रोन का स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने भी यह पुष्टि नहीं की है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में यह ड्रोन कैसे पहुंचा। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्रा के दौरान कई बाधाएं सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डा पर नहीं उतर पाया था और करीब 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इस दौरान बेहाला फ्लाइंग क्लब में भी लैंडिंग की कोशिशें असफल रहीं, जिसके बाद अंततः विमान दमदम हवाई अड्डे पर उतरा। इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने पायलटों की सराहना की थी।

ईरान से भारतीयों को निकालने में मदद के लिए भारत ने आर्मेनिया का माना आभार

-तनावपूर्ण माहौल में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनिया का आभार माना। आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों की ईरान से सुरक्षित वापसी हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत में भारतीय मछुआरों को निकालने में मदद करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनियाई सरकार को धन्यवाद।

पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात के बीच, हाल के दिनों में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे। भारत अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने के लिए इलाके की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, भारत ने मदद के लिए अजरबैजान को भी धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि करीब 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते ईरान से अजरबैजान पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कई भारत लौट चुके हैं, वहीं आगामी दिनों में और लोगों के आने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अजरबैजान सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने जमीनी रास्ते ईरान से भारतीय नागरिकों के निकलने में मदद की। हमारे दोनों पक्षों के बीच परामर्श और नियमित आदान-प्रदान होता रहता है। भारत ने पहले भी लोगों को निकालने की कोशिशों में आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को जयशंकर ने मुश्किल हालात में मिल रहे सहयोग की प्रशंसा की थी, ईरान से 550 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनियाई सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद दिया था।

राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी हमला... 4 मई के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा

केरल सरकार, भाजपा और आरएसएस से गुप्त समझौता कर चुकी

अलाप्पुझा (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाकर कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, कांग्रेस ने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहने वाले है। लेकिन कई सालों तक वे कुछ इसतरह के विचारों के लिए खड़े रहे जिससे हम सहमत नहीं थे।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं, तब वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकार जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति के दम पर चल रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

राहुल गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताकर कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिए-कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

दो-दो पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम का मिजाज, एक दर्जन राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एक बड़े हिस्से में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है, जिससे उत्तर से लेकर पश्चिम और पूर्व तक के राज्यों में हलचल बढ़ गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4-5 अप्रैल से देश के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इस बदलाव का मुख्य कारण इस सप्ताह सक्रिय होने वाले दो नए पश्चिमी विक्षोभ हैं। पहला विक्षोभ शनिवार को अपना असर दिखाना शुरू कर चुका है, जबकि दूसरा 7 अप्रैल से प्रभावी होगा। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार सहित कम से कम 10 राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की गई है। विशेष रूप से किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयार फसलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें ताकि ओलावृष्टि और बारिश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 4 अप्रैल को 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और ओले गिरने की आशंका है। इसके बाद 7 और 8 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी राजस्थान में पुन: बारिश का दौर लौट सकता है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां पश्चिमी यूपी में भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अधिक है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी 4 और 5 अप्रैल को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है, हालांकि वर्तमान में बर्फबारी की संभावना नहीं है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी और बारिश का सिलसिला बना रहेगा, जबकि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में ओलावृष्टि को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर व्यापक रहेगा। बिहार और झारखंड में 4 से 7 अप्रैल के बीच गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है, जबकि पश्चिम बंगाल में उमस बढ़ने के साथ 7 अप्रैल से बारिश की शुरुआत हो सकती है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भी इस पूरे सप्ताह रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुच्चेरी में भी 7 अप्रैल तक बिजली गिरने और मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन दोनों पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, लेकिन साथ ही आंधी-तूफान के कारण लोगों को आवाजाही और खुले स्थानों पर रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह मौसमी बदलाव अगले एक सप्ताह तक देश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय रहने वाला है।

तमिलनाडु में बीजेपी कर क्या रही, अन्नामलाई को टिकट नहीं मिलने पर चर्चा हुई तेज

प्रदेश अध्यक्ष बोले— हाईकमान का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की उम्मीदवार सूची में के अन्नामलाई का नाम नहीं होने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिया गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नागेंद्रन ने कहा कि घोषित 27 उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से तैयार की गई है और पार्टी को विश्वास है कि सभी उम्मीदवार चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उम्मीदवार चयन पूरी तरह रणनीतिक आधार पर किया गया है। अन्नामलाई को तमिलनाडु भाजपा का आक्रामक और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है, ऐसे में उनका नाम सूची में न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

चुनाव से दूर नहीं प्रचार करुंगा: अन्नामलाई

हालांकि, अन्नामलाई ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, कि वे चुनावी प्रक्रिया से दूर नहीं हैं, बल्कि पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार करेंगे। उन्हें तमिलनाडु के साथ-साथ पुडुचेरी और केरल में भी चुनाव प्रचार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच, भाजपा सांसद तेजस्वी सुर्या ने अन्नामलाई की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और उनका प्रचार अभियान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

भाजपा के हिस्से में 27 सीटें

तमिलनाडु में इस बार भाजपा, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत राज्य की कुल 234 सीटों में से एआईएडीएमके 178 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई को टिकट न देने के बावजूद उन्हें प्रचार की कमान सौंपना भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिससे पार्टी उनके जनाधार का अधिकतम लाभ उठाना चाहती है।

तिरंगा लगे जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य किया पार, अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट संकट के बीच शुक्रवार को सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर, ग्रीन सानवी, होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक छह एलपीजी ले जाने वाले जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार करके भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं। अब सातवां टैंकर भी होर्मुज क्रॉस करके भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर करीब 44,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी है। इसके आने से एलपीजी को लेकर चल रही किल्लत से राहत मिलेगी। होर्मुज के पश्चिम में अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे हैं। इनमें दो एलपीजी से लदे जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक एलपीजी से लदे ये दोनों जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम भी जल्द ही होर्मुज से निकलकर भारत की ओर रवाना हो सकते हैं। जानकारों ने बताया कि तीन एलपीजी ले जाने वाले भारतीय जहाज वर्तमान में फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप के उत्तर-पूर्व में भटक रहे हैं। वे भारतीय नौसेना के निर्देशों का पालन करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने के आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

इस बीच एक विदेशी जहाज, जो कथित तौर पर ईरान से भारत के लिए तेल ले जा रहा था, उसने अपनी यात्रा के दौरान ही अपना डेस्टिनेशन प्वाइंट अचानक बदल दिया। अब वह चीन की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रमुख विश्लेषक ने कहा कि ईरानी कच्चे तेल के मामले में इस तरह की यात्रा के दौरान गंतव्य परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। यह वित्तीय शर्तों और काउंटर पार्टी रिस्क के प्रति ट्रेड फ्लो की बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करता है। एक्सपर्ट ने कहा कि कच्चा तेल लेकर जा रहे शिप के अचानक चीन की ओर मुड़ने के बीच अहम वजह पेमेंट का माना जा रहा। इसमें पहले की 30-60 दिन की लोन अवधि से हटकर अग्रिम या निकट-अवधि के सेटलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भुगतान संबंधी समस्याएं हल हो जाती हैं, तो माल अभी भी किसी भारतीय रिफाइनरी तक पहुंच सकता है। विश्लेषक ने आगे कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि चीन के अलावा अन्य देशों में ईरानी कच्चे तेल के प्रवाह को निर्धारित करने में वाणिज्यिक शर्तें रसद के समान ही अहम होती जा रही हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि कच्चे तेल से लदे इस शिप का फाइनल डेस्टिनेशन यही रहने वाले है। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तो ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन ट्रांसपोंडर में दर्शाया गया है ये गंतव्य अंतिम है और यात्रा के दौरान इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, इसमें आगे भी बदलाव हो सकते हैं। वहीं अगर ये टैंकर वास्तव में वडीनार पहुंच जाता, तो यह छह सालों में भारत को ईरान से कच्चे तेल की पहली खेप होती।

नन्दग्राम आवासीय योजना: लॉटरी से चमकी 77 आवंटियों की किस्मत, प्राधिकरण के खजाने में आएंगे 66.54 करोड़

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ग्राम नूरनगर स्थित नन्दग्राम आवासीय योजना क्षेत्र के विकास को एक नई ऊंचाई देने जा रही है। प्राधिकरण द्वारा विकसित इस योजना के अंतर्गत भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। खास बात यह है कि इस पूरी योजना से प्राधिकरण को लगभग 66.54 करोड़ रुपये की अनुमानित आय होगी, जिसे शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में खर्च किया जाएगा।

पारदर्शिता के साथ हुआ आवंटन

योजना के अंतर्गत खसरा संख्या 96 एवं 97 में कुल 77 भूखण्ड विकसित किए गए हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 7520.85 वर्ग मीटर है।

प्राधिकरण ने इन भूखण्डों के आवंटन के लिए लॉटरी प्रणाली को अपनाया, ताकि सभी आवेदकों को समान और निष्पक्ष अवसर मिल सके। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखते हुए पात्र आवेदकों के नामों की घोषणा की गई, जिससे जनता के बीच प्राधिकरण की विश्वसनीयता और सुदृढ़ हुई है।

राजस्व का पूरा गणित

प्राधिकरण द्वारा निर्धारित ₹79,000 प्रति वर्ग मीटर की दर के आधार पर इस योजना से होने वाली आय का ब्यौरा निम्नवत है:

भूखण्डों की कुल कीमत: ₹59,41,47,150

लीज किराया (10%): ₹5,94,14,715

फ्री-होल्ड शुल्क (2%): ₹1,18,82,943

कुल अनुमानित आय: ₹66,54,44,808

विकास को मिलेगी नई रफ्तार

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि यह योजना केवल राजस्व जुटाने का जरिया नहीं है, बल्कि यह नियोजित शहरीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना से प्राप्त होने वाली आय का उपयोग निम्नलिखित कार्यों किया जाएगा:

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर: क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाना और सुव्यवस्थित जल आपूर्ति सुनिश्चित करना।

पर्यावरण संरक्षण: पार्कों का सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र (Green Belt) का विकास।

नागरिक सुविधाएं: बेहतर सीवर व्यवस्था और स्ट्रीट लाइट जैसे आवश्यक कार्यों को गति देना।

भविष्य की जरूरतों पर फोकस

नन्दग्राम आवासीय योजना के माध्यम से शहर की बढ़ती जनसंख्या के दबाव को कम करने और नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में भी इसी तरह की पारदर्शी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को निरंतर गति प्रदान की जाएगी, जिससे गाजियाबाद एक सुव्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में अपनी पहचान बनाए रख सके।

चोरी की मोटरसाइकिल से स्नैचिंग करने वाले 2 अभियुक्तों को कौशांबी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कौशांबी पुलिस ने चेकिंग के दौरान दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में स्नैचिंग करने वाले 2 अभियुक्त आकाश और ऋतिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने इन दोनों को मेट्रो स्टेशन के पास गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन दोनों की निशानदेही पर चोरी की 1 मोटर साइकिल व स्नैचिंग किए 5 मोबाइल बरामद किए। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि बीती 9 मार्च 2026 को थाना कौशांबी पर अमर आनंद ने मोबाइल स्नेचिंग का मुकदमा लिखवाया था। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान 2 संदिग्ध मोटरसाइकिल पर आते हुए दिखाई दिए। जब उनसे पूछताछ की गई तो पता चला कि यह मोटरसाइकिल उन्होंने दिल्ली से चोरी की थी और इसी मोटरसाइकिल से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देते थे। उन्होंने बताया कि इनके ऊपर 4 अपराधिक मुकदमे दर्ज है और इनके अन्य अपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में रहागिरों को चिन्हित करते हुए उनके साथ स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देते थे। स्नैचिंग की वारदात करने के बाद माल कों बेचकर अपने शौक पूरा करते थे। चोरी के माल को बेचने के लिए वह झुग्गी झोपड़ी व राह चलते लोगों को चुना करते थे।

हंगामे के बीच 40 करोड़ के 81 प्रस्ताव पास, 50 रुपये सफाई टैक्स पर तीखा विरोध

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद की शनिवार को आयोजित बोर्ड बैठक हंगामे और तीखे विरोध के बीच संपन्न हुई। विरोध के बावजूद करीब 40 करोड़ रुपये के सभी 81 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक से पहले पांचों नामित सभासदों ने शपथ ग्रहण किया। बैठक के दौरान सभासदों ने शहर की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सभासद अमित मोनू बजरंग ने शहर में बढ़ती बंदर और आवारा कुत्तों की समस्या पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। नितिन पाराशर ने स्वर्ग आश्रम रोड स्थित श्मशान घाट की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया। सभासद अब्दुल मलिक ने नगर में वाहनों की संख्या बढ़ाने और बारिश से पहले सभी पुलियों की सफाई कराने की मांग रखी। आदित्य सूद ने रेलवे रोड की फैंसी लाइटें ठीक कराने और एक पार्क में भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित कराने की बात कही। वहीं रुद्राक्ष त्यागी ने फॉगिंग पर प्रतिदिन हो रहे 41 हजार रुपये के खर्च की जांच की मांग करते हुए इसे संभावित घोटाला बताया। सबसे अधिक हंगामा शहर के करीब 38 हजार भवनों पर कूड़ा उठाने के लिए प्रस्तावित 50 रुपये मासिक शुल्क को लेकर हुआ। सभासदों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि हाल ही में गृह, जल और सीवर कर पहले ही बढ़ाया जा चुका है। धिशासी अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि प्रदेश की अन्य नगर निकायों की तरह यहां भी यूजर चार्ज वसूले जाने के निर्देश हैं, जिससे कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। हालांकि, सभासदों के जबरदस्त विरोध के चलते यह प्रस्ताव फिलहाल रोक दिया गया।

बंदरों का आतंक: बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला, सीसीटीवी में कैद घटना, कॉलोनीवासियों में भारी आक्रोश

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर की पॉश कॉलोनियों में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। थाना हापुड़ क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित पंजाबी कॉलोनी में बंदरों के झुंड ने एक 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाबी कॉलोनी निवासी जमना देवी सड़क पर जा रही थीं, तभी अचानक बंदरों के झुंड ने उन पर हमला बोल दिया। हमले के दौरान महिला गिर पड़ीं और बंदरों ने उनके पैर को बुरी तरह काट लिया। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद कॉलोनीवासियों ने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना है कि बंदरों की समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय मिश्रा ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही बंदरों और आवारा पशुओं को पकड़वाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। हालांकि, इस आश्वासन के बाद भी लोगों में असंतोष बना हुआ

तालिब खालिद बंधु प्रकरण: सपा ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई, 7 अप्रैल को होगी सुनवाई

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के चर्चित तालिब खालिद बंधु प्रकरण ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। सपा नेताओं ने स्पष्ट कहा कि किसी भी असामाजिक तत्व को जिले की कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में सपा के विधायक तस्लीम अहमद, मनोज पारस और रामावतार सैनी शामिल रहे। इनके साथ पूर्व विधायक नईमुल हसन, महिला नेता प्रभा चौधरी, लाखन सिंह पाल और पूर्व जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सपा ने मांग की कि तालिब बंधुओं का कथित उत्पीड़न तत्काल रोका जाए। साथ ही चांदपुर क्षेत्र के हैजरपुर में हुए प्रशांत सैनी हत्याकांड के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। प्रकरण की शुरूआत उस समय हुई जब पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जांच के दौरान खालिद तालिब की आरा मशीन पर

पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान दोनों भाइयों के साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न हुआ। इसके बाद उन्होंने थाने में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। हालांकि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को ही गंभीर धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के बाद सत्ताधारी दल भाजपा के भीतर भी मतभेद की स्थिति सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई को लेकर पार्टी में दो गुट बनते नजर आ रहे हैं। उधर, कानूनी प्रक्रिया के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 7 अप्रैल की तिथि तय की है। फिलहाल तीनों आरोपी जेल में हैं और अब सभी की नजर अदालत के आगामी निर्णय पर टिकी हुई है।

जागो हिंदू जागो यात्रा, जनजागरण की लहर, राष्ट्र निर्माण का संकल्प : गोपाल राय

लखनऊ (शिखर समाचार)। देशभर में जनजागरण का संदेश लेकर निकली जागो हिंदू जागो यात्रा अब व्यापक स्तर पर सामाजिक चेतना का माध्यम बनती जा रही है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरे उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। यात्रा का उद्देश्य समाज को जागरूक करना, एकजुट करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति लोगों को प्रेरित करना है। इस अभियान का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में चेतना जगाने का सशक्त प्रयास है। उनका कहना है कि जब तक समाज संगठित और जागरूक नहीं होगा, तब तक राष्ट्र सुदृढ़ नहीं बन सकता। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने सांस्कृतिक मूल्यों को समझें और समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं। जागो हिंदू जागो यात्रा जालंधर से प्रारंभ होकर लुधियाना, दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा होते हुए लखनऊ पहुंची।

लखनऊ में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने इसमें भाग लेकर समर्थन जताया। इसके बाद यात्रा सुल्तानपुर के रास्ते जौनपुर की ओर अग्रसर हो गई है। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर परिषद के पदाधिकारी जागो हिंदू जागो का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। जगह-जगह सभाओं और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रहित के प्रति लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया जा रहा है, जिससे पूरे मार्ग में उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है। पदाधिकारियों का कहना है कि यह यात्रा एक निरंतर चलने वाला जनजागरण अभियान है, जिसका उद्देश्य समाज को संगठित, जागरूक और सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार के प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा। यात्रा में प्रमुख रूप से मनीष राय, अंकुर सिंह, निखिलेन्द्र मोहन रस्तोगी, राघवेंद्र राय, श्याम सुंदर चौहान, जितेंद्र नारायण, प्रकाश आर्या, दिलीप सिंह, दीपक मिश्रा, पंकज अग्रवाल, ओम शंकर गुप्ता, विष्णु प्रताप सिंह चौहान, अनिल यादव, अतुल शर्मा, राम मनोहर सहानी, मोहित जोशी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

तार चोरी के बाद भी नहीं हुई मरम्मत, जिलाधिकारी का सख्त एक्शन, अधिशासी अभियंता पर 21 हजार का जुमार्ना, अवर अभियंता के तबादले के निर्देश

मोदीनगर (शिखर समाचार)

तहसील मुख्यालय पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान रोरी और टलहैटा गांव के किसानों ने विद्युत व्यवस्था की गंभीर समस्या को लेकर जिलाधिकारी के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त की। यह मुद्दा किसान नेता परमेंद्र आर्य के नेतृत्व में प्रमुखता से उठाया गया। परमेंद्र आर्य ने किसानों के साथ मिलकर बताया कि गांव में विद्युत पोल से तार चोरी हो जाने की घटना को काफी समय बीत चुका है, लेकिन अब तक विभाग द्वारा नए तार नहीं डाले गए हैं। इसके चलते गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है और किसानों के साथ-साथ आम ग्रामीणों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों की सिंचाई से लेकर घरेलू कार्य तक प्रभावित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर ही विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय तथा अवर अभियंता सोमपाल को तत्काल उपस्थित होने के निर्देश दिए, लेकिन दोनों ही अधिकारी समाधान दिवस

में उपस्थित नहीं मिले। अधिकारियों की इस अनुपस्थिति को जिलाधिकारी ने अत्यंत गंभीर लापरवाही माना और इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

जिलाधिकारी के तेवर उस समय और सख्त हो गए जब यह स्पष्ट हुआ कि समस्या लंबे समय से लंबित है और संबंधित अधिकारी इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जनसमस्याओं के प्रति उदासीनता और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय पर 21 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया। साथ ही अवर अभियंता सोमपाल के तबादले के निर्देश देने की बात कही, ताकि विभाग में जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्युत विभाग तत्काल प्रभाव से रोरी और टलहैटा गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल कराए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करे।

इस दौरान मौजूद अन्य अधिकारियों को भी जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि समाधान दिवस केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह जनता की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण मंच है। यहां प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए। यदि किसी भी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसान नेता परमेंद्र आर्य के नेतृत्व में उठाई गई इस समस्या पर जिलाधिकारी की त्वरित कार्रवाई से किसानों में संतोष दिखाई दिया। किसानों ने उम्मीद जताई कि अब जल्द ही गांव में बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से बहाल हो सकेगी और उन्हें राहत मिलेगी।

तहसील समाधान दिवस में 35 शिकायतें दर्ज, मात्र 4 का मौके पर निस्तारण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से शनिवार को तहसील सभागार में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान दिवस में कुल 35 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से केवल 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया जा सका, जबकि शेष 31 शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रेषित कर दिया गया।

अधिकारियों ने उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता है।

तहसील समाधान दिवस के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार नगीना अजब सिंह, नायब तहसीलदार बढ़ापुर श्याम सिंह बेन, खंड विकास अधिकारी ज्योति चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी कार्यालय के अधीन सभी थाना प्रभारियों ने भी मौके पर मौजूद रहकर संबंधित मामलों में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई।

हनुमान जयंती पर भव्य भंडारा, एचपीडीए वीसी आईएएस डॉ. नितिन गौड़ के नेतृत्व में उमड़ा आस्था का सैलाब

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) परिसर में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्यक्ष आईएएस डॉ. नितिन गौड़ एवं सचिव अमित कात्यान ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण आरंभ हुआ। पूरे आयोजन के दौरान परिसर में भक्ति गीतों, मंत्रोच्चार और जयकारों की गूंज से माहौल पूरी तरह श्रद्धा और उत्साह से सराबोर नजर आया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर और सुव्यवस्थित इंतजाम किए गए थे, जिससे सभी ने सहज रूप से कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर अजय सिंघल, कमल थापर, ऋषि शर्मा, राज सिंह और निर्देश तोमर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने सेवा भाव के साथ श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में सहयोग किया और आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन न केवल समाज में एकता और भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि लोगों को आध्यात्मिक ऊर्जा से भी जोड़ते हैं। कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में हुआ, जिसने सभी के मन में आस्था और सकारात्मकता का संचार किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोके जाने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया। तहसील शामली में आयोजित कार्यक्रम में अनुपस्थित पाए गए बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा विद्युत विभाग के तीन अधिशासी अभियंताओं (प्रथम, तृतीय व चतुर्थ) का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। तहसील सभागार में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जनसमस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 3 का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान के निदेर्शों के साथ भेजा गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी शामली अर्चना शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी जगदेव सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार, परियोजना निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण प्रेमचंद, तहसीलदार मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कैराना और ऊन तहसीलों में भी समाधान दिवस आयोजित

तहसील कैराना में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्येन्द्र सिंह की

अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां 24 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष मामलों को संबंधित विभागों को भेजते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। इस दौरान उप जिलाधिकारी कैराना निधि भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं तहसील ऊन में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2 का मौके पर निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी ऊन संदीप त्रिपाठी और तहसीलदार ललिता चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कड़ा संदेश: लापरवाही पर नहीं होगी कोई रियायत

जिलाधिकारी की इस कार्रवाई से स्पष्ट संकेत मिला है कि जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर लागू करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है।

उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला: श्रीकृष्ण कुटी मंदिर प्रकरण में नगर पालिका का आदेश निरस्त

शामली (शिखर समाचार)। प्राचीन श्रीकृष्ण कुटी मंदिर के प्रबंधन को लेकर चले आ रहे विवाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए नगर पालिका परिषद शामली के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें मंदिर प्रबंध समिति के स्थान पर पीर शेरनाथ का नाम दर्ज किया गया था। शहर के गांधी चौक स्थित श्रीकृष्ण कुटी मंदिर का संचालन एक पंजीकृत प्रबंध समिति द्वारा किया जा रहा है। 28 जून 2025 को पीर शेरनाथ के प्रतिनिधि ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को पत्र देकर स्वयं को मंदिर का प्रबंधक दर्ज करने की मांग की थी। इस पर नगर पालिका परिषद ने अपने अभिलेखों में उनका नाम दर्ज कर लिया। इस निर्णय के खिलाफ केएस चौहान के नेतृत्व वाली मंदिर प्रबंध समिति ने उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की। 25 मार्च को मामले की सुनवाई दो सदस्यीय खंडपीठ, जिसमें जस्टिस नीरज तिवारी और जस्टिस सुधांशु चौहान शामिल थे, के समक्ष हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता श्रेया गुप्ता ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान नगर पालिका परिषद के अधिवक्ता सुमित सूरी ने स्वीकार किया कि नाम दर्ज करने की प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया। न तो संबंधित पक्ष को कोई नोटिस दिया गया और न ही सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। पीर शेरनाथ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पांडे ने भी इस त्रुटि को स्वीकार किया। खंडपीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मंदिर प्रबंध समिति की याचिका स्वीकार करते हुए 28 जून 2025 को पारित आदेश को निरस्त कर दिया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष केएस चौहान ने बताया कि समिति में 15 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके मंत्री पुष्पेन्द्र भारद्वाज सहित कुछ सदस्यों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है, जिनके स्थान पर नए सदस्यों को शामिल किया गया है। साथ ही, समिति ने नारी वंदन के तहत महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने का निर्णय भी लागू कर दिया गया है

सोशल मीडिया पर पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, दो आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि बाबूगढ़ निवासी दो युवकों ने रसोई गैस सिलेंडर को लेकर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों राजू और मोईन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रिजल्ट देने के बहाने प्रिंसिपल की शर्मनाक करतूत, सातवीं की छात्रा से अश्लील हरकतें, मुकदमा दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र के एक गांव स्थित निजी स्कूल में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां सातवीं कक्षा की 13 वर्षीय छात्रा ने स्कूल के प्रिंसिपल पर रिजल्ट देने के बहाने अपने कार्यालय में बुलाकर अश्लील हरकतें करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को छात्रा अपना रिजल्ट लेने स्कूल पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान प्रिंसिपल ने उसे अपने ऑफिस में बुलाया और अकेलेपन का फायदा उठाते हुए उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। पीड़िता बार-बार रहम की भीख मांगती रही, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। किसी तरह विरोध करते हुए छात्रा वहां से भाग निकली और घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना बताई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन स्कूल पहुंचे, जहां आरोप है कि प्रिंसिपल ने उनसे अभद्रता की, गाली गलौज की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद से छात्रा गहरे मानसिक आघात और भय के माहौल में है, जबकि परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के अनुसार, मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी सिम्भावली क्षेत्र में एक शिक्षक पर छात्राओं के साथ अनुचित हरकतों के आरोप लग चुके हैं, जिसमें जांच के बाद आरोपी को निलंबित किया गया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अवैध निर्माण का लेंटर गिरा, बड़ा हादसा टला; एक के खिलाफ मुकदमा

जेवर (शिखर समाचार)। गांव नीमका शाहजहांपुर में अवैध निर्माण के दौरान लेंटर गिरने के मामले में राजस्व विभाग के लेखपाल की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। लेखपाल धीरेन्द्र कुमार के अनुसार, नगला हुकम सिंह निवासी दीपक द्वारा धारा 11(4) का उल्लंघन करते हुए अवैध निर्माण कराया जा रहा था। 29 मार्च को लेंटर डालते ही वह भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे से पहले मजदूर वहां से हट गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। क्षेत्र में एयरपोर्ट परियोजना के चलते मुआवजे के लालच में अवैध निर्माण तेजी से हो रहा है, जिसमें घटिया सामग्री के इस्तेमाल से ऐसे हादसे बार-बार सामने आ रहे हैं। प्रशासन की ढिलाई पर भी सवाल उठ रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक पर एफआईआर

चौधरी चरण सिंह व जयंत पर अभद्र टिप्पणी पर हंगामा

मेरठ, एजेंसी। रालोद कार्यकर्ताओं का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक रामअवतार पलसानिया ने चौधरी चरण सिंह और जयंत चौधरी पर अभद्र टिप्पणी की। इसी को लेकर थाने हंगामा किया गया।

किसानों के मसीहा और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व उनके पौत्र जयंत चौधरी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सियासी और सामाजिक पारा चढ़ गया है। इस बयान के विरोध में राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ताओं ने कंकरखेड़ा थाने में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक रामअवतार पलसानिया के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वहीं दौराला के सकौती में भी जाट समाज ने बैठक कर पलसानिया की उत्तर प्रदेश में एंट्री प्रतिबंधित करने की चेतावनी दी है।

बृहस्पतिवार शाम रालोद जिलाध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज और जटोली निवासी गौरव पवार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता कंकरखेड़ा थाने पहुंचे। कार्यकर्ता रामअवतार पलसानिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए और तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने में ही धरना पर बैठ गए। रालोद नेताओं का कहना है कि चौधरी चरण सिंह पूरे देश के नेता हैं और उनके खिलाफ की गई कोई भी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान सुनील रोहटा, चौधरी सत्येन्द्र सिंह तोमर, वीरेंद्र तोमर, मनोज जटोली, अरविंद तोमर और चंद्रवीर सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि अपमानजनक टिप्पणी और जातीय संघर्ष को बढ़ावा देने वाले भाषण के मामले में आरोपी रामअवतार पलसानिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353-2 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सकौती में जाट समाज की महापंचायत : चंदे पर भी उठे सवाल- दौराला के सकौती स्थित हितकारी किसान इंटर कॉलेज में समाज के लोगों ने एक अहम बैठक की। अखिल भारतीय जाट महासभा के अध्यक्ष रोहित जाखड़ ने कहा कि किसानों के मसीहा और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चेतावनी दी कि पलसानिया की उत्तर प्रदेश में एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित की जाएगी। आरोप लगाया गया कि सकौती टांडा में हाल ही में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा स्थापना के नाम पर आयोजित कार्यक्रम को राजनीतिक रंग दिया गया। कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद हनुमान बेनीवाल समेत कई नेता शामिल हुए थे। जाट समाज के लोगों का आरोप है कि प्रतिमा के नाम पर करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया और मंच का इस्तेमाल सियासी लाभ के लिए किया गया। सकौती टांडा के पूर्व प्रधान योगेंद्र ने कहा कि समाज ने पलसानिया का सम्मान किया था लेकिन इस तरह की टिप्पणी करने वालों को अब जवाब दिया जाएगा। एडवोकेट कपिल मलिक ने कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक बिरादरी नहीं बल्कि पूरे देश के नेता थे जिन्होंने किसानों के हित में ऐतिहासिक कार्य किए।

संस्था ने झाड़ा पल्ला

विवाद बढ़ता देख अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनु चौधरी ने एक वीडियो जारी कर स्पष्ट किया कि रामअवतार पलसानिया का बयान उनका व्यक्तिगत विचार है और संस्था का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

काशी में विक्रमादित्य का महानाट्य: 3 मंच, 18 घोड़े, 2 रथ...होगा सजीव चित्रण

सीएम मोहन अर्पित करेंगे वैदिक घड़ी

वाराणसी, एजेंसी। सम्राट विक्रमादित्य के दरबार के नवरत्न कालिदास, वराहमिहिर सहित अन्य विद्वानों की विद्वता का भी सजीव चित्रण होगा। बाएं मंच पर महाकाल मंदिर की भव्य संरचना और 8 फीट के शिवलिंग पर दिव्य भस्म आरती का दृश्य मुख्य आकर्षण होगा।

बरेका में शुरू हो रहे सम्राट विक्रमादित्य के मुख्य अतिथि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और एमपी के सीएम मोहन यादव महानाट्य का शुभारंभ करेंगे।

महानाट्य का होगा सजीव चित्रण। - **फोटो : संवाद-** केंद्र में 80म62 का मुख्य मंच और दोनों ओर 42म42 के लेफ्ट और राइट मंच तैयार किए गए हैं। इन मंचों पर सिंहासन बत्तीसी,

महानाट्य में 200 से अधिक कलाकार हाथी, घोड़े, रथ और पालकियों के साथ उपस्थित होंगे।

इसमें भव्य युद्ध, लाइट शो, आतिशबाजी, नृत्य और बाबा महाकाल की भस्म आरती की दिव्य झलकियां शामिल होंगी। तीन भव्य मंचों पर 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊंट, 1 पालकी और 1 हाथी के साथ जीवंत प्रदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा।

बेताल पच्चीसी और भविष्य पुराण के प्रसंगों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के अद्वितीय व्यक्तित्व, सुशासन और न्यायप्रियता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

बाबा महाकाल की भस्म आरती की दिव्य झलकियां शामिल होंगी। - महानाट्य को और अधिक जीवंत बनाने के लिए 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊंट, 1 पालकी और 1 हाथी के साथ भव्य प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। मंचीय प्रभाव को सशक्त बनाने के लिए अत्याधुनिक ग्राफिक्स, 400 से अधिक लाइट्स, 80म32 की एलईडी स्क्रीन और दो बार भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा, जो दर्शकों को एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेगा। 10 से 15 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

बाबा विश्वनाथ को अर्पित करेंगे विक्रमादित्य वैदिक घड़ी- महाकाल की नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना के बाद, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को यह घड़ी अर्पित करेंगे। भारत में भारतीय काल गणना पर आधारित यह पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी है, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 में किया था।

यह घड़ी वैदिक काल गणना के समस्त घटकों के आधार पर बनाई गई है। यह सूर्योदय से काम करती है, इसलिए जिस स्थान पर सूर्योदय का समय होगा, उस स्थान की काल गणना उसी के अनुसार होगी। इस घड़ी के माध्यम से वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, भारतीय पंचांग, विक्रम संवत मास, ग्रह स्थिति, भद्रा स्थिति और चंद्र स्थिति आदि की जानकारी उपलब्ध है।

वाराणसी में तीन नई टाउनशिप बनाएगा वीडीए, 1700 करोड़ रुपये होंगे खर्च; बजट प्रस्तावित

वाराणसी, एजेंसी। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा के अनुसार परिचालन से 2,070.61 करोड़ रुपये की आय का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 448 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, 2,069.07 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है, जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 343 प्रतिशत अधिक है।

अफसरों ने शासन को भेजी रिपोर्ट

उन्होंने बताया कि वीडीए की स्थापना 19 अगस्त 1974 को वाराणसी के सुनियोजित एवं समग्र विकास के उद्देश्य से की गई थी। प्रारंभ में इसका अधिकार क्षेत्र लगभग 793 वर्ग किलोमीटर था, जिसमें महापालिका क्षेत्र सहित 635 गांव शामिल थे। वर्ष 2024 में नगर क्षेत्र के विस्तार को स्वीकृति मिलने के बाद 215 नए राजस्व ग्रामों को भी वीडीए के विकास क्षेत्र में सम्मिलित किया गया। इसके फलस्वरूप वर्तमान में इसका कुल विकास क्षेत्र बढ़कर 1,073 वर्ग किलोमीटर हो गया है। वीडीए का कार्यक्षेत्र पवित्र गंगा नदी के दोनों किनारों पर विस्तृत है, जो इसे भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से दो भागों में विभाजित करता है। प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का सतत, संतुलित और योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करना है।

बजट शहर के नियोजित विकास को देगी नई दिशा

यह बजट वाराणसी के तेजी से हो रहे शहरी विस्तार, नई आवासीय टाउनशिप, संस्थागत विकास तथा जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। वीडीए की ओर से प्रस्तावित यह बजट आने वाले समय में शहर के नियोजित विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। वाराणसी विकास प्राधिकरण शहर के समग्र विकास का प्रमुख स्तंभ है और इसकी योजनाबद्ध गतिविधियां वाराणसी को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और समृद्ध शहर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

शहर के नियोजित विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगा- वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राधिकरण के स्वीकृत पुनरीक्षित बजट में लगभग 378 करोड़ की आय तथा 467.50 करोड़ के व्यय का प्रावधान किया गया था। वर्तमान में वीडीए मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत चार बड़ी आवासीय परियोजनाओं के लिए भूमि अवाप्ति एवं परियोजना विकास की कार्यवाही कर रहा है।

नूरजहां की सराय, चीनी का रौजा, जोहरा बाग और कांच महल का होगा कायाकल्प

आगरा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने आगरा की उपेक्षित ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए 20 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाई है। चीनी का रौजा सहित 14 स्मारकों का जीर्णोद्धार कर उनकी खोई चमक वापस लाने की तैयारी है।

संरक्षण के अभाव में अपनी चमक खो रही ऐतिहासिक विरासतों के जख्मों पर 20 करोड़ रुपये से मरहम लगेगा। जर्जर हो रहे नूरजहां की सराय, चीनी का रौजा और जोहरा बाग आदि धरोहरों में एक बार फिर रौनक लौटेगी। छोटे-बड़े 14 स्मारकों के संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 20 करोड़ रुपये की लागत से कार्ययोजना बनाई है।

इस वर्ष एएसआई का मुख्य ध्यान यमुना किनारे स्थित उन गुमनाम धरोहरों पर रहेगा जो अब तक उपेक्षित थीं।

पिछले दो वर्षों से खंडहर में तब्दील हो चुके जोहरा बाग का संरक्षण अब उसके थ्रीडी मॉडल के आधार पर किया जाएगा। यह मॉडल माल रोड स्थित एएसआई कार्यालय में सुरक्षित है।

समाजवादी छात्र सभा का हंगामा

परीक्षा नियंत्रक की कुर्सी पर चस्पा किया लापता का पर्चा

आगरा , एजेंसी। समाजवादी छात्र सभा के छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक के न मिलने पर विश्वविद्यालय में जोरदार हंगामा किया। पोस्टर लगाने और गेट का ताला तोड़ने के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपा, जिनके आश्वासन पर छात्र शांत हुए।

समाजवादी छात्र सभा ने विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक की अनुपस्थिति पर बृहस्पतिवार को प्रदर्शन किया। लापता होने के पोस्टर चिपकाए और कुलपति को ज्ञापन देने के लिए कूच किया। विश्वविद्यालय प्रशासन के गेट बंद कर देने पर छात्रों ने ताला तोड़कर गेट खोला और नारेबाजी की। कुलपति ने बाहर आकर उनसे ज्ञापन लिया और समस्या निस्तारण का भरोसा दिलाया, तब शांत हुए।

समाजवादी छात्र सभा के जिला महासचिव तेजू यादव ने छात्रों का नेतृत्व किया। सभी पहले परीक्षा नियंत्रक

से मिलने उनके कक्ष में पहुंचे। उनके कक्ष में न होने पर छात्रों का गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने परीक्षा नियंत्रक के लापता होने की सूचना वाले पोस्टर कुर्सियों पर चिपका दिए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए कुलपति को ज्ञापन देने पहुंचे थे।

छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगें रखीं। कहा कि समर्थ पोर्टल के माध्यम से जो परीक्षाएं कराई गई हैं, उनके परिणाम जल्द घोषित किए जाएं। जो परिणाम घोषित हुए हैं उसकी पुनः जांच हो। कई छात्रों के परीक्षा में जो नंबर आए हैं वह गलत तरह से दिए गए हैं इसलिए दोबारा चेकिंग की जाए। परीक्षा आवेदन की तिथि बढ़ाई जाए।

कमिश्नरी सभागार में समीक्षा बैठक हुई

मेरठ , एजेंसी। गोवंश संरक्षण और संवर्धन को लेकर बृहस्पतिवार को कमिश्नरी सभागार में समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रभारी कमिश्नर और जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने की। नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार भी इसमें उपस्थित रहे। प्रभारी कमिश्नर ने सभी जनपदों को शत-प्रतिशत भूसे का टेंडर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनपद से बाहर भूसे के विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा। इसका उद्देश्य गोवंश को समय पर चारा उपलब्ध कराना है।गोचर भूमि पर सौ फीसदी नेपियर घास का उत्पादन कराने के निर्देश भी दिए गए। इससे गोवंश को नियमित हरा चारा मिलेगा।

दो का था प्लान पर एक हुआ, ओटी टेक्नीशियंस ने खोले राज

कानपुर के नर्सिंगहोम में हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट

कानपुर, एजेंसी। कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट प्रकरण में शहर के बड़े और नामी नर्सिंगहोम का नाम सामने आया है। यहां कुछ दिन पहले ही गुर्दा प्रत्यारोपित हुआ था। यह जानकारी पुलिस को गुरुवार को गिरफ्तार हुए ओटी टेक्नीशियन कुलदीप सिंह राघव और राजेश कुमार से पूछताछ में हुई है। दोनों ने अधिकारियों को बताया है कि यह नर्सिंगहोम रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक बना हुआ है। रोजाना काफी संख्या में मरीज आते हैं। कई छोटे-बड़े ऑपरेशन भी होते हैं। पुलिस ने नर्सिंगहोम के दो स्टाफ को हिरासत में लिया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि कुलदीप सिंह राघव और राजेश कुमार दोनों ओटी टेक्नीशियन हैं। राजेश कुमार का प्रमोशन हो गया है। उसे ओटी मैनेजर बना दिया गया है। उसका वेतन 70 हजार महीना है जबकि कुलदीप को 42 हजार रुपये मिलते हैं। दोनों डॉ. रोहित के संपर्क में थे। डॉ. रोहित एनेस्थीसिया के डॉक्टर हैं।

एनसीआर ही नहीं कई क्षेत्रों में फैला हुआ है नेटवर्क- उसका संबंध सर्जन डॉ. अली और डॉ. सैफ के साथ में है। दोनों ने पैरामेडिकल स्टाफ अखिलेश और शैलेश के बारे में भी बताया है। ये सभी गाजियाबाद के वैशाली क्षेत्र के बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल से जुड़े हुए हैं। ये कई बार शहर आ चुके हैं। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगा दी गई हैं। क्राइम ब्रांच और साइबर क्राइम ब्रांच की टीमें भी सक्रिय हैं। किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़े आरोपियों का नेटवर्क सिर्फ एनसीआर ही नहीं कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

डॉक्टरों की टीम करने आई थी दो ट्रांसप्लांट- डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि डॉक्टरों की दोनों टीम रविवार देर रात दो किडनी ट्रांसप्लांट करने के लिए आई थी, लेकिन एक ही करके चली गई थी। यह जानकारी दोनों ओटी टेक्नीशियन ने पूछताछ में दी है। दोनों ने झारखंड और नेपाल के दो डोनरों की जानकारी दी है। पुलिस की

टीमें उनकी तलाश में लग गई हैं। जिस रोगी को किडनी लगानी थी, वह भी शहर के नर्सिंगहोम में उपचाराधीन है। शुक्रवार को ट्रांसप्लांट करने के लिए एनसीआर क्षेत्र से यूरोलॉजिस्ट और दो ओटी टेक्नीशियन आए थे। रावतपुर पुलिस ने गुरुवार को गाजियाबाद उनके परिजनों से जानकारी जुटाई जाएगी।

मामले में दो ओटी टेक्नीशियन हुए हैं गिरफ्तार- आहूजा हॉस्पिटल में किडनी के राजेश कुमार और हापुड़ के कुलदीप सिंह राघव को दहलन क्रॉसिंग से गिरफ्तार किया जबकि यूरोलॉजी के सर्जन की तलाश जारी है। राजेश कुमार नोएडा के सर्वोदय हॉस्पिटल और कुलदीप सिंह राघव गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित शांति गोपाल नर्सिंगहोम में ओटी टेक्नीशियन हैं। दोनों से टीम में शामिल डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की जानकारी की गई। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी ने बताया कि रविवार देर रात आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। यहां बिहार के बेगूसराय के आयुष की एक किडनी मुजफ्फरनगर की पारुल तोमर को लगाई गई थी। सर्जरी के बाद एक टीम रेलबाजार क्षेत्र से बुक हुई किया कैरेंस कार से गाजियाबाद के वैशाली तक गई।

डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की जानकारी जुटा रही है पुलिस- यहां यूरोलॉजी के सर्जन और दोनों ओटी टेक्नीशियन कुलदीप सिंह राघव और राजेश कुमार को छोड़कर लौट आई। पुलिस ने जानकारी जुटाकर दोनों ओटी टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी टीम लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर तक गई। इसमें भी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ सवार थे। सभी ने चेहरे पर मास्क लगा रखा था जबकि आपस में किसी अन्य सर्जरी पर विचार विमर्श कर रहे थे। उनके बीच कुछ दिन पहले दमन और दीव की यात्रा को लेकर भी बातचीत हुई। पुलिस उस टीम के डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की जानकारी जुटा रही है।

लेते थे 40 से 50 हजार रुपये- पांचों शहर से बुक हुई अर्टिगा कार से लखनऊ गए थे। पुलिस ने कार चालक से पूछताछ की। उसने पांचों के वाया हवाई जहाज दूसरे शहरों में जाने को लेकर बातचीत होने की जानकारी दी।

गैस किल्लत और महंगी किताबों के विरोध में तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन, अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। तहसील मुख्यालय पर शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न संगठनों द्वारा गैस की किल्लत, कालाबाजारी और निजी स्कूलों में महंगी निजी प्रकाशनों की पुस्तकें लागू किए जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी अपनी मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपे।संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी अजीत सिंह और तहसीलदार रजत सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इसी दौरान भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले अध्यक्ष बबली गुर्जर, सत्येंद्र शर्मा, नीरज प्रजापति और निर्दोष खटाना के नेतृत्व में सैकड़ों लोग हाथों में गैस सिलेंडर के चित्र वाले बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे।

बबली गुर्जर ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा गैस की कोई कमी न होने की बात कही जाती है, जबकि जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। लोगों को समय पर रसोई गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में एजेंसियों द्वारा कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि शादी और तेहरवी जैसे आयोजनों के लिए लोगों को ऊंची कीमत पर सिलेंडर खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया, जिस पर उन्होंने स्वयं जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में दिनेश शर्मा, मोनू गुर्जर और कुलदीप शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता भी तहसील पहुंचे और निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त और अन्य निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू न करके निजी प्रकाशनों की महंगी किताबें जबरन लागू की जा रही हैं। साथ ही ये किताबें केवल निर्धारित दुकानों पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं, जहां अभिभावकों से मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की पुस्तकों को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश जारी किए जाएं। इस संबंध में भी उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 8 अप्रैल से अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में चांद वीर चौधरी, राकेश सोनी, जावेद अहमद, ओमपाल शर्मा और रजनी शर्मा सहित कई लोग शामिल रहे।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड़ संपूर्ण समाधान दिवस के समापन से कुछ समय पहले पहुंचे, तब तक अधिकांश प्रदर्शन समाप्त हो चुके थे। मौके पर पहुंचकर उन्होंने मौजूद लोगों की शिकायतें सुनीं और कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने तहसील परिसर स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर दस्तावेजों की जांच भी की।

चौधरी चरण सिंह पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में रालोद का प्रदर्शन, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राजस्थान के एक व्यक्ति द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विरुद्ध कथित अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं और कार्यकताओं ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर हंगामा किया। बाद में पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया। जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी और अमरजीत सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए कड़ा विरोध जताया। रामपाल चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक निष्पक्ष छवि के नेता और किसानों के मसीहा रहे हैं। उनके विरुद्ध की गई इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी को किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कोतवाल आनंद प्रकाश मिश्रा मौके पर पहुंचे, लेकिन कार्यकर्ता आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। स्थिति को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उनकी बात सुनने के बाद उन्होंने कोतवाल को शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। इस मामले में नगर अध्यक्ष मनोज त्यागी की ओर से राम अवतार पलसानिया, निवासी गांव तेजपुरा, शाहपुर (राजस्थान) के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रदर्शन में तेजपाल सिंह, रणबीर दहिया, बिट्टू खंजरपुर, राम भरोसे लाल मौर्य, अरुण दहिया, अंकुर त्यागी, योगेंद्र पतला और आलोक चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत साइकिल रैली आयोजित, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत शनिवार को जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया। नवरात्रि के अवसर पर 19 मार्च से संचालित 30 दिवसीय विशेष अभियान के तहत आयोजित इस रैली की शुरूआत ब्रिगेडियर होशियार सिंह इंटर कॉलेज से हुई। कार्यक्रम का आयोजन महिला कल्याण, पुलिस एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त समन्वय से किया गया। इसमें श्री सत्यनारायण इंटर कॉलेज, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज तथा सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रसन्न चौधरी एवं मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी मौहम्मद मुशफेकिन ने मिशन शक्ति अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी ने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है और आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं।

साइक्लोथॉन से पूर्व हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, चाइल्ड हेल्पलाइन और वन स्टॉप सेंटर की टीमों ने प्रतिभागियों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं, लिंगानुपात, बाल विवाह एवं लैंगिक भेदभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। साथ ही हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी मोनिका चौहान, यातायात प्रभारी निधि चौधरी एवं उप निरीक्षक शिवानी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

बुढ़ाना कोतवाली बनी मॉडल थाना, एडीजी ने किया उद्घाटन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना कोतवाली का जीर्णोद्धार कर उसे पूरी तरह हाईटेक और आधुनिक स्वरूप दे दिया गया है। शनिवार को मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर ने फीता काटकर मॉडल थाने का उद्घाटन किया।

जनपद की बुढ़ाना कोतवाली को आदर्श थाने के रूप में चयनित किया गया था, जिसके बाद पिछले कई दिनों से यहां आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा था। अब यह कोतवाली अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होकर एक मॉडल थाना बन चुकी है।

कोतवाली परिसर में करीब 150 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से पूरे क्षेत्र की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के लिए मैस, बैरक और अन्य आवासीय सुविधाओं को भी बेहतर और आधुनिक बनाया गया है। थाने के कार्यालय, जीडी कक्ष और मालखाना को भी सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित कर सुव्यवस्थित रूप दिया गया है।

उद्घाटन के दौरान एडीजी भानु भास्कर ने पुलिस अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के मॉडल थाने आमजन को बेहतर सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने एसपी देहात आदित्य बंसल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके स्थानांतरण पर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही कोतवाली प्रभारी सुभाष अत्री द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की।

इस अवसर पर एसएसपी संजय कुमार, एसपी देहात अक्षय संजय, सीओ गजेंद्र पाल सिंह, इंस्पेक्टर सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक संदीप चौधरी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मेहनताना मांगने गए भाइयों पर जानलेवा हमला, 3 महिलाएं समेत 9 पर केस दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में मेहनताना मांगने गए दो भाइयों पर दबंगों ने लाठी-डंडों व लोहे के पाइप से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने तमंचे से जानलेवा हमला भी किया। पीड़ित की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई न होने पर न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने तीन महिलाओं समेत नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एसीपी जितेंद्र कुमार के अनुसार, पीड़ित लव कुमार ने बताया कि वह गाड़ी लोडिंग का काम करता था और 3500 रुपये मांगने पर विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौच कर हमला कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे, तब जाकर जान बची। घटना सीसीटीवी में भी कैद है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्लॉट विवाद में मारपीट, न्यायालय के आदेश पर 8 आरोपियों पर मुकदमा

दादरी (शिखर समाचार)। प्लॉट के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली दादरी पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित गुर्जन सिंह ढिल्लोन ने बताया कि उन्होंने 2011 में जमीन खरीदी थी, लेकिन प्राधिकरण से मिले प्लॉट को उनसे छुपाकर बेच दिया गया। जब उन्होंने विरोध किया तो उन्हें गाली-गलौच कर भगा दिया गया। 18 फरवरी को दादरी आते समय रेलवे रोड फ्लाईओवर के पास आरोपियों ने उन्हें घेरकर लाठी-डंडों से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंसानियत की मिसाल: संविदा कर्मचारी की मौत पर परिवार को 94 हजार की सहायता

दादरी (शिखर समाचार)। बिजली विभाग के संविदा कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान करंट लगने से हुई मौत के बाद कॉलोनीवासियों ने मानवता की मिसाल पेश की। बालाजी एनक्लेव के लोगों ने मिलकर 94 हजार रुपये की सहयोग राशि एकत्र की और मृतक कर्मचारी रवि के परिवार को सौंप दी। कॉलोनी अध्यक्ष ओमवीर आर्य ने बताया कि मृतक के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। इस दुख की घड़ी में कॉलोनी के लोगों ने आगे बढ़कर मदद की, जिससे परिवार को कुछ राहत मिल सके।

डबल मर्डर केस में बड़ी कार्रवाई: 5 माह बाद साजिशकर्ता गिरफ्तार, गैंगस्टर एक्ट लगा

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के सैंथली गांव में हुए चर्चित डबल मर्डर केस में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब पांच माह बाद साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ के अनुसार, 19-20 अक्टूबर को नाली विवाद में रिटायर्ड दरोगा अजय पाल और दीपांशु की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पहले ही कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि मुख्य साजिशकर्ता सेंसर पाल फरार चल रहा था। अब उसे गिरफ्तार कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

ओलावृष्टि से तबाह फसलें : किसानों के लिए त्वरित मुआवजे की मांग तेज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। असमय वर्षा और ओलावृष्टि ने जनपद गौतमबुद्धनगर समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र में किसानों की कमर तोड़ दी है। तेज बारिश और ओलों की मार से गेहूं, सरसों सहित अन्य रबी फसलें बड़े पैमाने पर बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस स्थिति पर चिंता जताते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर प्रभावित किसानों को त्वरित राहत और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया है और कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। विधायक ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत सर्वे कराकर फसलों के नुकसान का सही आकलन किया जाए और पात्र किसानों को बिना देरी के मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही राहत वितरण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर भी जोर दिया गया है, ताकि किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए, जिससे प्रभावित किसानों को अतिरिक्त सहारा मिल सके और वे इस कठिन परिस्थिति से उबर सकें। वहीं, इस मामले में जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर को भी पत्र की प्रति भेजी गई है, जिसमें मौके पर पहुंचकर तत्काल सर्वे शुरू कराने और किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की गई है।

ताला तोड़कर लाखों के जेवरात पर हाथ साफ, इलाके में दहशत

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे के आरआर रोड स्थित एक मकान में चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। घटना का पता तब चला जब पीड़ित देर रात घर लौटा। संजीव कुमार ने बताया कि 28 मार्च की शाम वह परिवार सहित नोएडा गए थे। रात करीब 11:30 बजे लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर सोने के कंगन, हार, कुंडल, अंगूठी, बच्चे के आभूषण, पायल, चांदी के सिक्के और 92 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक सप्ताह में आधा दर्जन से अधिक चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

निराश्रित गोवंशों के लिए हो रहा नंदी पार्क गौशाला का विस्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम लगातार शहर के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार नंदी पार्क गौशाला का विस्तार किया जा रहा है। बढ़ती निराश्रित गोवंशों की संख्या को देखते हुए निगम की गौशाला का विस्तार किया जा रहा है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 14000 स्क्वायर मीटर बढ़ाया जा रहा है, जिससे निराश्रित गोवंशों को रखा जा सकेगा। गौशाला में पांच शेड बनाए जाएंगे, जिसमें तीन में नदी और नंदिनी अलग-अलग रखे जाएंगे। इसके अलावा एक शेड छोटे बछड़ों और बछिया के लिए रहेगा। एक शेड विशेष रूप से बीमार गोवंश के लिए अलग से बनाया जाएगा। लगभग 6 करोड़ 90 लाख की लागत से 14264 स्क्वायर मीटर में इंटरलॉकिंग, बाउंड्री वॉल, नाद बनाने का कार्य चल रहा है, जिसकी मॉनिटरिंग वरिष्ठ अधिकारी कर रहे है। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी तथा उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी ने बताया कि निराश्रित गोवंशों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गौशाला का क्षेत्रफल बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मौके पर 72 मीटर चौड़ा तथा 195 मीटर लंबाई में गौशाला का विस्तार किया जा रहा है। आवश्यकता को देखते हुए गोवंशों को घूमने के लिए ओपन स्पेस भी व्यवस्थित किया जाएगा। लगभग आठ माह के भीतर कार्य पूर्ण होगा, जिसके लिए तेजी से कार्य चल रहा है। फाउंडेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। बाउंड्री वॉल का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान में 1800 से अधिक गोवंश नंदी पार्क गौशाला में है। अधिक संख्या को देखते हुए गौशाला का क्षेत्रफल बढ़ाया जा रहा है। हरा चारा और भूसा रखने के लिए भी पर्याप्त स्पेस बनाया जा रहा है। सड़कों पर निराश्रित गोवंश आवारा घूमते ना दिखाई दे, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

20 लाख शिक्षकों पर संकट : टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ देशभर में उबाल, केंद्र से कानून बनाने की मांग

नई दिल्ली/लखनऊ(शिखर समाचार)। देशभर के लाखों शिक्षकों पर मंडरा रहे संकट को लेकर अब आवाज तेज हो गई है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) को अनिवार्य बनाए जाने के फैसले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

फेडरेशन की ओर से जारी ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को पहले ही टीईटी से छूट दी जा चुकी थी, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब उन्हें भी टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, यदि शिक्षक निर्धारित समयसीमा तक परीक्षा पास नहीं करते हैं, तो उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है।

इस फैसले से देशभर के करीब 20 लाख शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जिससे उनके सामने रोजगार और भविष्य का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस मुद्दे को लेकर पहले भी सांसदों, राज्य सरकारों और शिक्षा मंत्रालय से कई बार अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शिक्षकों का कहना है कि अलग अलग राज्यों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम अलग अलग तिथियों पर लागू हुआ था, इसलिए पहले से कार्यरत शिक्षकों पर यह नियम लागू करना न्यायसंगत नहीं है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस आदेश को लागू करने के निर्देश जारी करने के बाद शिक्षकों में आक्रोश और बढ़ गया है।

इसी क्रम में 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में हजारों की संख्या में शिक्षक एकत्र हुए और केंद्र सरकार से मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के प्रभाव को समाप्त करने के लिए संसद में कानून लाया जाए, ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके। शिक्षक संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। अब देखना यह होगा कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाती है और लाखों शिक्षकों को राहत मिलती है या नहीं।

गौवंश चोरी कर गोकशी करने वाला 10 हजार का इनामी गिरफ्तार, बाइक बरामद

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। गौवंश चोरी कर गोकशी करने के मामले में वांछित चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी आजम उर्फ शकील को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक बाइक भी बरामद की गई है। कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपी के पिता शकील तथा भाई आमिश को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बताया गया कि ग्राम खेड़ी रांगड़ान निवासी परवेश कुमार ने 15 मार्च को घटना के संबंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके आधार पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही थी।

पुलिस के अनुसार आरोपी को चेकिंग अभियान के दौरान सरधना मार्ग स्थित अंडरपास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मनोज कुमार, कांस्टेबल प्रवीण और अंकित शामिल रहे।

नेहा पांचाल का सम्मान, यूपीपीएससी में प्रथम स्थान से बढ़ाया समाज का मान

शामली (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के प्रदेश अध्यक्ष सेठपाल पांचाल के नेतृत्व में समाज की बेटी नेहा पांचाल के उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) परीक्षा 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। समारोह के दौरान नेहा पांचाल को फूल मालाओं और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेश अध्यक्ष सेठपाल पांचाल ने कहा कि नेहा पांचाल ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने समाज के बच्चों से आह्वान किया कि वे भी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

समारोह में जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा, विनोद पांचाल, अधिवक्ता वीरेंद्र विश्वकर्मा, अनुज तावड़ा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 152 शिकायतों में सिर्फ 11 का निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों दादरी, जेवर और सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 152 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से केवल 11 का मौके पर निस्तारण किया गया।

दादरी तहसील में 106 शिकायतें आईं, जिनमें 8 का निस्तारण हुआ। जेवर तहसील में 41 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 2 का समाधान किया गया। वहीं सदर तहसील में 5 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1 का मौके पर निस्तारण किया गया।

शेष शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाना : सियासत, आरोप और सवालों के बीच सही गलत की पड़ताल

देश की राजनीति में अक्सर ऐसे मोड़ आते हैं जब किसी एक फैसले से पूरे दल की दिशा और छवि पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल ही में आम आदमी पार्टी द्वारा राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने का निर्णय भी ऐसा ही एक घटनाक्रम बन गया है। इस फैसले के बाद पार्टी के भीतर और बाहर जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, उसने इसे केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं बल्कि एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में स्थापित कर दिया है। खासतौर पर यह आरोप कि राघव चड्ढा पर भारतीय जनता पार्टी से नजदीकी रखने या साठगांठ का संदेह है, इस पूरे विवाद को और गंभीर बना देता है।

किसी भी राजनीतिक दल के लिए अपने संसदीय दल के पदों में बदलाव करना असामान्य नहीं होता। यह संगठनात्मक पुनर्गठन का हिस्सा हो सकता है, जिसमें पार्टी अपनी रणनीति और प्राथमिकताओं के अनुसार जिम्मेदारियां तय करती है। इस दृष्टि से देखा जाए तो राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाना एक आंतरिक निर्णय माना जा सकता है, जिसे पार्टी नेतृत्व ने अपने विवेक से लिया होगा। लेकिन जिस तरह से इसके बाद आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, उसने इस निर्णय को विवादों के केंद्र में ला दिया है। राघव चड्ढा लंबे समय से आम आदमी पार्टी के प्रमुख और तेज तर्रार चेहरों में गिने जाते रहे हैं। उन्होंने संसद के भीतर और बाहर कई मुद्दों पर पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। ऐसे में अचानक उन्हें पद से हटाना यह संकेत देता है कि पार्टी के भीतर कुछ गंभीर असहमति या रणनीतिक मतभेद मौजूद हैं। यदि यह केवल कार्यशैली या नेतृत्व के बीच समन्वय का मुद्दा है, तो इसे सार्वजनिक विवाद का रूप देना उचित नहीं कहा जा सकता। अब बात आती है उन आरोपों की, जिनमें राघव चड्ढा पर भाजपा से साठगांठ का संकेत दिया जा रहा है। भारतीय राजनीति में यह एक आम प्रवृत्ति रही है कि जब भी किसी नेता पर सवाल उठते हैं, तो उसे विरोधी दल से जोड़कर उसकी छवि को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह के आरोप बेहद गंभीर होते हैं और इनके लिए ठोस प्रमाण होना आवश्यक है। बिना ठोस सबूत के किसी भी नेता पर इस तरह का आरोप लगाना न केवल उसकी व्यक्तिगत साख को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि राजनीति के स्तर को भी गिराता है। यदि आम आदमी पार्टी के पास राघव चड्ढा के खिलाफ कोई ठोस आधार या तथ्य हैं, तो उन्हें पारदर्शिता के साथ सामने लाना चाहिए। इससे पार्टी की विश्वसनीयता बनी रहेगी और कार्यकताओं के बीच भी स्पष्ट संदेश जाएगा। दूसरी ओर, यदि यह केवल आंतरिक राजनीति या नेतृत्व के बीच शक्ति संतुलन का मामला है, तो इसे आरोपों के जरिए प्रस्तुत करना अनुचित कहा जाएगा। यह भी समझना जरूरी है कि किसी भी दल में उभरते हुए नेताओं के साथ इस प्रकार के टकराव नए नहीं हैं। जब कोई नेता तेजी से लोकप्रिय होता है और संगठन में उसकी पकड़ मजबूत होती है, तो स्वाभाविक रूप से नेतृत्व के भीतर संतुलन बनाने की आवश्यकता महसूस होती है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी के सामने भी यही चुनौती है कि वह अपने उभरते चेहरों और केंद्रीय नेतृत्व के बीच सामंजस्य कैसे स्थापित करती है। दूसरी ओर, भाजपा के साथ आप का राजनीतिक टकराव लंबे समय से चला आ रहा है। ऐसे में यदि पार्टी के भीतर किसी नेता पर भाजपा से नजदीकी के आरोप लगते हैं, तो यह स्वाभाविक रूप से बड़ा मुद्दा बन जाता है।

~ मौलिक चिंतन ~

तुम बुद्धिमान हो सकते हो, लेकिन तुम ही बुद्धिमान हो, ऐसा सोचना बुद्धिमानी नहीं है।

© विनय संकोची

अफगानिस्तान से लेकर भारत तक भूकंप के झटके!

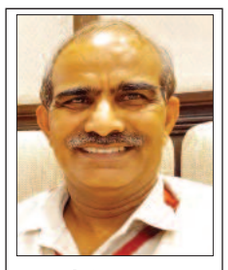

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत मे दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके के आने पर लोग घरों से बाहर निकल गए। ये झटके दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा राजस्थानऔर पंजाब सहित कई प्रदेशों में महसूस किए गए हैं। इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि भूकंप से कहीं जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में जमीन के अंदर 175 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र जमीन के काफी अंदर होने की वजह से इसका असर कम हुआ है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सहित उत्तर भारत में भूंकप आने से पहले तिब्बत में धरती हिली थी। तिब्बत में बीती रात करीब 8.12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तिब्बत में आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई थी। पिछले साल म?यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक?टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया था। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई थी। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ था।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की थी। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया था। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक पड़ा था। बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में 'स्वीमिंग पूल' में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत वर्ष 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आते है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है। सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक?का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे। भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।

(लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

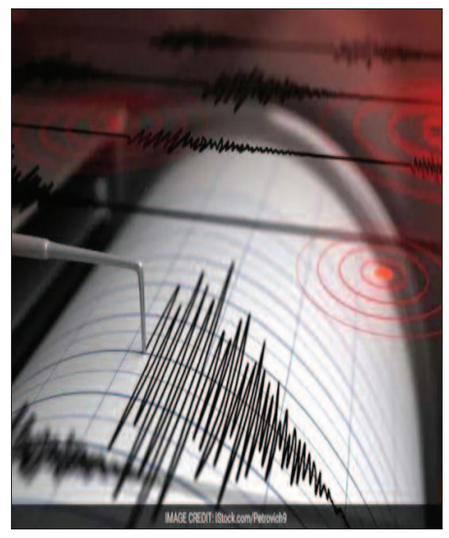

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दशार्ती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं–सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लड? के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें ₹विनिंग कैंडिडेट₹ के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह एक मजबूत, संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने की कोशिश है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दशार्ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दशार्ता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निदेर्शों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निदेर्शों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मयार्दाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मयार्दा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

हेल्थ प्लस

डिप्रेशन भगाएँ प्राणायाम से

'डिप्रेशन' यानी नैराश्य, यानी मन और मानस का असहयोग, यानी प्रकृति से तादात्म्य न हो पाना या जीवन से आस्था उठ जाना। डिप्रेशन यानी जीने का नकारात्मक रवैया, स्वयं से अनुकूलन में असमर्थता आदि। जब ऐसा हो जाए तो उस व्यक्ति विशेष के लिए सुख, शांति, सफलता, खुशी यहाँ तक कि संबंध तक बेमानी हो जाते हैं। उसे सर्वत्र निराशा, तनाव, अशांति, अरुचि का ही आभास होता है।

यदि ऐसा क्षणिक हो तो उसे स्वाभाविक या व्यावहारिक मानना होगा, किंतु यह मन:स्थिति और मानसिकता अगर सतत बनी रहे तो परिणाम निश्चित तौर पर घातक होंगे। यह प्रतिकूलता व्याधि और विकृति को जन्म देगी। जीवन तक को नकार सकता है ऐसा व्यक्ति। पहले समाज, फिर परिवार और अंत में स्वयं से कटने लगता है वह।

'डिप्रेशन' का कारण वातावरण परिस्थिति, स्वास्थ्य, सामर्थ्य, संबंध या किसी घटनाक्रम से जुड़ा हो सकता है। शुरुआत में व्यक्ति को खुद नहीं मालूम होता, किंतु उसके व्यवहार और स्वभाव में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगता है। कई बार अतिरिक्त चिड़चिड़ापन, अहंकार, कटुता या आक्रामकता अथवा नास्तिकता, अनास्था और अपराध अथवा एकांत की प्रवृत्ति पनपने लगती है या फिर व्यक्ति नशे की ओर उन्मुख होने लगता है।

ऐसे में जरूरी है कि हम किसी मनोचिकित्सक से संपर्क करें। व्यक्ति को खुशहाल वातावरण दें। उसे अकेला न छोड़ें तथा छिन्द्रान्वेषणकतई न करें। उसकी रुचियों को प्रोत्साहित कर, उसमें आत्मविश्वास जगाएँ और कारण जानने का प्रयत्न करें।

मैत्रीपूर्ण वातावरण में प्रभावोत्पादक तरीके से जीवन की सच्चाई उसके सामने रखें और आत्मीयता से उसे 'प्राणायाम' के लिए राजी करें। सर्वप्रथम पदमासन करवाएँ। फिर प्राणायाम के छोटे-छोटे आवर्तन करवाएँ। बीच में गहरी श्वास लेने दें। आप देखेंगे 'डिप्रेशन' घटता जा रहा है। चित्त शांत हो रहा है। नाड़ीशोधन प्रा णायाम के पश्चात ग्रीष्मकाल में 'शीतली' और शीतकाल में सावधानी से 'मस्त्रिका' प्राणायाम करवाएँ।

प्राणायाम के दो आवर्तनों के पश्चात नाद करवा दें। प्रथम स्तर पर 'ओ' दीर्घ करवाएँ, जिससे ग्रीवा के अंदरूनी स्नायु कंपन, लय और बल पाकर सहज हों। तत्पश्चात 'ओ' लघु से दीर्घनाद करवाएँ। इसके कंपन मस्तिष्क, अधर-ओष्ठ और तालू को प्रभावित करेंगे। अनुभूत आनंद से चेहरे के खिंचाव और तनाव की स्थिति स्वत: जाती रहेगी। यदि ऐसा होने लगे तो समझिए आप कामयाब हो रहे हैं अपने 'मिशन' में। इसके बाद थोड़ा विश्राम। फिर श्वासन। अनिद्रा जनित 'डिप्रेशन' का रोगी ऐसे में सोना चाहता है। उसे भरपूर नींद ले लेने दें।

ये प्रक्रियागत परिणाम तुरंत प्राप्त होते हैं। इनके दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए प्रयत्न में निरंतरता रखी जानी अनिवार्य है। सदैव अनुभवसिद्ध योग विशेषज्ञ ही से संपर्क किया जाना चाहिए।

स्वस्थ त्वचा के लिए कैसी हो डाइट

उचित आहार चमकती त्वचा का राज

इसमें कोई दो राय नहीं है कि एक संतुलित डाइट न केवल आपके सेहत के लिए लाभप्रद है बल्कि यह आपके स्किन के लिए फायदेमंद है। एक तनावपूर्ण जिंदगी और एक उचित डाइट की कमी के कारण आपकी त्वचा रूखी हो जाती है और कई त्वचा की परेशानियाँ उत्पन्न होने लगती हैं जैसे रैशेज, रूखापन, आँखों के नीचे काले घेरे और मुँहासे आदि।

वैसे अन्य कई कारण भी हैं जो हमारी त्वचा को नुकसान पहुँचाते हैं। हार्मोनल परिवर्तन, जेनेटिक समस्या और गर्भावस्था के समय भी हमारे स्किन को प्रभावित करती हैं।

लेकिन 70 प्रतिशत से अधिक परिस्थितियों में अस्वस्थ त्वचा के लिए अनुचित डाइट ही उत्तरदायी होता है। वैसे तो विभिन्न प्रकार की त्वचा के लिए विभिन्न डाइट्स की जरूरत होती है। लेकिन एक स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक चीजों की सूची निम्नलिखित है:

- आपको अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। क्योंकि पानी ही स्किन के लिए एक सर्वश्रेष्ठ औषधि है। यह न केवल आपको रिफ्रेश करता है बल्कि आपकी त्वचा को एक अद्भुत चमक प्रदान करता है।
- जिस तरह हमारे शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत है ठीक उसी तरह हमारे स्किन के लिए विटामिन की आवश्यकता है। कुछ विटामिन के नाम निम्नलिखित है जो आपकी त्वचा की चमक को बरकरार रखने में मदद करता है...

1. विटामिन सी : यह सभी रसदार फलों में पाया जाता है जैसे संतरा, नींबू, मौसंबी

2. विटामिन ए : इसके प्रमुख स्रोत हैं- पपीता, संतरा, एगयॉर्क

3. विटामिन बी : यह फलों सहित सभी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाता है।

4. विटामिन ई : यह मूँगफली, और अन्य आइल सीड्स में पाया जाता है।

एक स्वस्थ स्किन को बनाए रखना इतना मुश्किल नहीं है। बस जरूरत है तो स्किन का ध्यान रखने की, और अपने खाने में सभी जरूरी तत्वों को शामिल करने की। आप एक डाइट स्पेशलिस्ट के पास जा सकते हैं और अपने लिए एक संतुलित डाइट चार्ट भी बनवा सकते हैं।

चायनीज स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

चायनीज खाने के शौकीनों के लिए यह बुरी खबर है। अमेरिका में किए गए परीक्षणों में चाइनीज खाने को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है, क्योंकि इनमें सोडियम की मात्रा ज्यादा और कैलोरी की मात्रा कम होती है। इनसे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुँचने का अंदेशा बताया गया है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट में चाइनीज सॉस चिकन का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि एक औसत युवा व्यक्ति को दिनभर में जितनी कैलोरी की जरूरत होती है, उससे केवल आधी कैलोरी इसमें होती है। इसमें सोडियम की मात्रा भी 40 प्रतिशत ज्यादा होती है, जो चिंताजनक बात है।

इसके अलावा सब्जी और बटरयुक्त फ्राइड चिकन में 1300 कैलोरी, 3200 मिलीग्राम सोडियम और 11 ग्राम सैचुरेटेड फेट होता है। सेंटर फॉर साइंड इन पब्लिक इंटरस्ट के डायरेक्टर बोनी लिबमैन कहते हैं कि हमारी रिपोर्ट सारा दोष चाइनीज भोजन को नहीं देती है, लेकिन जो हकीकत है वह हम बता रहे हैं।

लू से बचने के घरेलू उपाय

असरकारी घरेलू नुस्खे

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।

हृदय रोग और टमाटर

टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए

लाल-लाल टमाटर किसे नहीं भाता? खट्टे-मीठे स्वाद वाले टमाटर के बारे में यह विवाद रहा है कि यह फल है या सब्जी? पर चाहे जो भी हो सारे विश्व में लोग इसके दीवाने रहे हैं। और दीवाने क्यों न हों? इसमें रुप और स्वाद के साथ-साथ अनेक गुण भी तो मौजूद हैं।

योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं। अध्ययन में शामिल अधिकांश लोग प्रौढ़ावस्था के थे और उनमें से 662 को दिल का दौरा पड़ चुका था। अध्ययन के अंतर्गत शरीर में लाइकोपीन की उपस्थिति की मात्रा का आकलन किया गया था।

योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं।

बीटा केरोटीन की तरह लाइकोपीन भी वसा में घुलने वाला पदार्थ है, जो आँतों में सोखा जाता है। लाइकोपीन की सुरक्षा क्रिया इसके प्रभावशाली ऑक्सीकरण रोधक के रूप में है, जिससे फ्री रेडिकलों के द्वारा कोशिकाओं, अणुओं और जीन्स की क्षति रुकती है। फ्री रेडिकल्स अत्यधिक प्रतिक्रियात्मक अणु हैं, जो रक्त प्रवाह में अन्य पदार्थों से मिलकर हानि पहुँचाते हैं।

उदाहरण के लिए इनमें कोलेस्टरोलिमोआ धमनियों में जम जाता है और आघात का कारण बन सकता है। यह जेनेटिक परिवर्तन करके कैंसर उत्पन्न कर सकता है। फ्री रेडिकल क्षति से सूर्य प्रकाश के कारण होने वाला कैंसर अथवा ओजोन जैसे प्रदूषण में साँस लेने से फेफड़ों की बीमारियाँ हो सकती हैं। अब प्रदूषण भरे वातावरण से बचना हो या हृदय रोग को दूर रखना हो या कोलेस्ट्राल से बचना हो तो खूब टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए।

घरेलू नुस्खे : अवश्य आजमाएँ

- दाड़ में दर्द हो तो लौंग का तेल लगाने से दर्द समाप्त होगा।
- तेज सिरदर्द होने पर पीपरमेंट गर्म करके सिर पर लगाने से आराम मिलता है।
- हिचकी आने पर तुलसी व शकर खाकर पानी पीने से लाभ होगा।
- मुँह में छाले होने पर नारियल खाने से छाले शीघ्र ठीक हो जाते हैं।
- भूख नहीं लगती है तो सौंफ के चूर्ण में शहद मिलाकर दिन में दो बार एक-एक चम्मच खाएँ।
- मसूड़े फूल जाने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर अहिस्ता-आहिस्ता मसूड़ों पर मसाज करने से तकलीफ खत्म हो जाती है।

घर में बनाएँ दर्दनाशक तेल

तुरंत आराम के लिए घरेलू दर्दनाशक तेल

शरीर के किसी भी हिस्से में कई बार दर्द का अहसास होता है। अधिकतर लोग पेन किलर लेकर दर्द को भगाने की कोशिश करते हैं।

पेन किलर हानिकारक भी हो सकती हैं, इनका सेवन न ही करें तो अच्छा है। वैसे दर्द दूर करने के लिए आप घर पर ही दर्दनिवारक तेल बना सकते हैं, तेल बनाने की विधि इस प्रकार है-

एक साफ काँच की शीशी में 50 ग्राम तारपीन का तेल और 20 ग्राम कपूर डालकर ढक्कन बंद कर दें और धूप में रखें। दिन में दो-तीन बार बोतल को हिला दें, ताकि कपूर पिघल जाए।

एक बर्तन में सरसों का तेल 50 ग्राम, कुटा हुआ लहसुन पेस्ट एक बड़ा चम्मच तथा छोटा आधा चम्मच सेंधा नमक डालकर धीमी आँच पर इतनी देर तक गरम करें कि लहसुन काला पड़ जाए। इसे ठंडा कर छान लें व शीशी में रख लें।

एक अन्य तीसरी शीशी में अजवायन का सत, कपूर और पोदीने का सत तीनों एक-एक छोटा चम्मच डालकर रखें। जब तीनों पिघल जाएँ तो इसमें एक छोटा चम्मच नीलगिरि का तेल डालकर हिलाएँ।

इस तरह तीनों तेल अलग-अलग तैयार करें व मिला लें तथा एक बड़ी शीशी में भर लें। तेल तैयार है, शरीर में कहीं भी दर्द हो तो इस तेल की मालिश से वह दूर हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3849

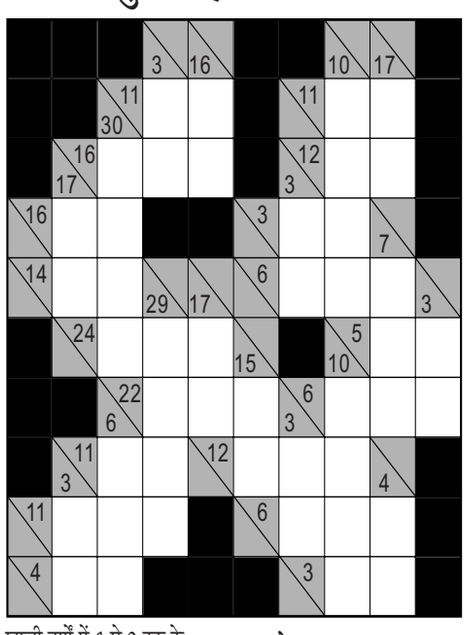

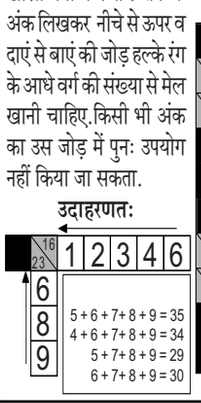

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3848 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3849

बायें से दायें:-

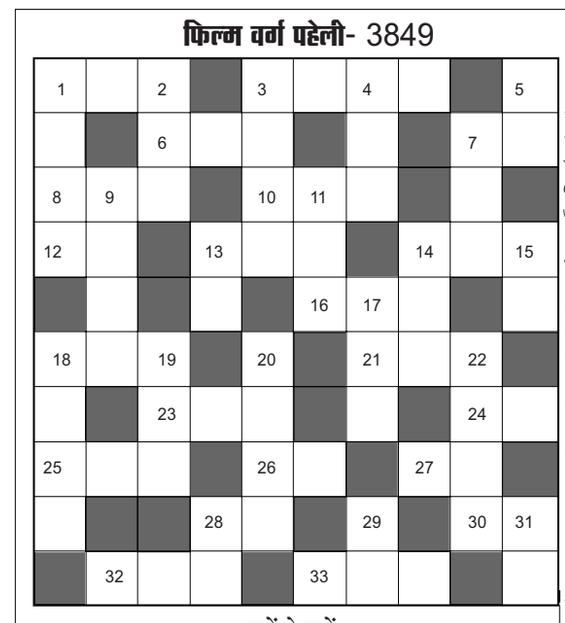

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3848

बै	ग	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	ग	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
ग	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	ग
इ		र्ची		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -3849

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	8
	3		1		8	7	9	5
9				6		4	2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3848 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3849

बाएँ से दाएँ

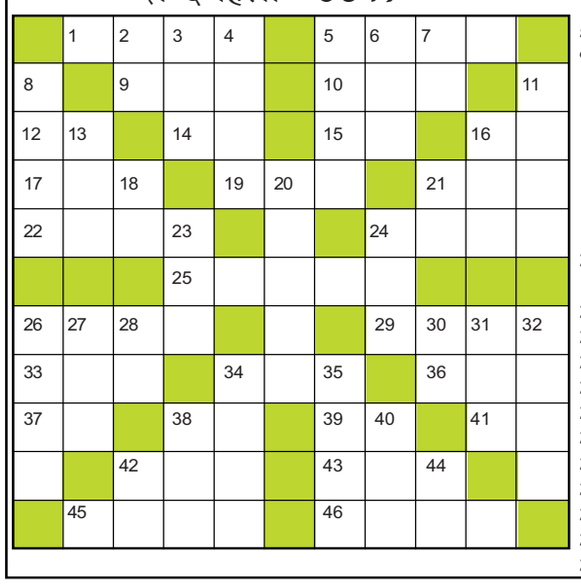

1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली -3848 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

युद्ध के असर से कमोडिटी बाजारों में भारी गिरावट ऊर्जा, संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख

कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विंटल की प्याज, 800 रुपए क्विंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने

चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला-जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता

बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026: रिजवी ने खेली 90 रन की तूफानी पारी, एमआई को हराकर टॉप पर डीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी।

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली। मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुर्माना किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुर्माने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा।

हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुर्माने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुर्माना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी : नरेन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना

अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीएल कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया। 41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई। रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले। अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ़ एक बार ही जीत पाई थी। लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी। इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया। चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है। पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे। इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका। टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक फिनिशर की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है। इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं। उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने ÷कम्फर्ट जोन÷ से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल

अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं।

अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर 'बूस्ट' विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है।

अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें। युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए। युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था। युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरु कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती। गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है। युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं। युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है। वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना ??है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं। गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी। हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे, इसे टीवी पर देखेंगे और इसे खेलने के लिए प्रेरित होंगे।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप, लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल

जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरुआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा।

इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं।

वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजारा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले खिलोने न दें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल, वॉकर, छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है, जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

बच्चों के लिए बेहद जरूरी है कैल्शियम

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरूरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है ।दांतों की समस्याएं : नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शारीरिक विकास की धीमी गति : अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।

चिड़चिड़ापन : बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहार : बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन : बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।

विटामिन डी की प्राप्ति : विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।

नियमित स्वास्थ्य जांच : कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

बच्चों को सुंदर लेखन के लिए प्रेरित करें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत : बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाजी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत : वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता। बच्चे को ऐसा लगना चाहिए कि मैं जो कुछ लिख रहा हूं, उस पर माता-पिता खुश हो रहे हैं। यह बहुत आवश्यक है, इससे बच्चे का उत्साह बढ़ता है। बच्चे किसी एक काम से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं, इसलिए लिखने का काम भी उनसे जबरदस्ती नहीं करवाना चाहिए। बच्चे से ऐसी चीजें लिखवाएं जिससे उसमें रुचि पैदा हो।

नाखून चबाने की आदत सेहत के लिए होती है नुकसानदेह

बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और प्यार देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है।

2 यदि बच्चे की नाखून चबाने की आदत मानसिक तनाव या चिंता के कारण हो रही है, तो एक अच्छे मनोचिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। बच्चे को मानसिक शांति देने के लिए ध्यान, योग, और अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं।

3 बच्चों को हमेशा साफ हाथों से भोजन करना और मुंह की सफाई पर ध्यान देने की सलाह दें। साथ ही, बच्चों के नाखूनों की सफाई और नियमित काटने का ध्यान रखें।

4 बच्चों को अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखना भी उनकी नाखून चबाने की आदत को कम कर सकता है। जैसे कि खेलकूद, चित्रकला, संगीत आदि।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है।

कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

कॉकटेल 2 मे मेरा किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

दिल राजू के साथ अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है। वामसी पेडिपल्ली को तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मोग्राफी में प्रभास (मुन्ना), एनटीआर (बृंदावनम), राम चरण और अल्लू अर्जुन (येवडु), नागार्जुन और कार्थी (ओपिरी), महेश बाबू (महर्षि), और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ कई फिल्में बनाई हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के कारण इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह फिल्म 15 अगस्त 2026 या उसके आसपास रिलीज हो सकती है।

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य? आमिर के साथ किया था हिंदी फिल्मों में डेब्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।' प्रेरित करने वाली हो फिल्म नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर ज़ारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नज़र आईं दिव्या हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी में है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमिडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट में दर्शकों को दूंगी।'

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नज़र आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रित प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर निजी हथियार रखने की अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि अब सैनिकों को सैन्य ठिकानों पर अपने निजी हथियार रखने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक नया आदेश जारी किया जा रहा है, जिसके तहत सैनिक अपने सुरक्षा कारणों से हथियार रखने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यदि किसी सैनिक की मांग ठुकराई जाती है, तो अधिकारियों को लिखित रूप में कारण बताना होगा। अब तक सैन्य ठिकानों को लगभग गन-फ्री जोन माना जाता था, जहां केवल सैन्य पुलिस या ट्रेनिंग के दौरान ही हथियार रखने की अनुमति थी। इस फैसले के पीछे हाल के वर्षों में सैन्य ठिकानों पर हुई गोलीबारी की घटनाएं बड़ी वजह मानी जा रही हैं। हेगसेथ का कहना है कि ऐसे मामलों में शुरुआती कुछ मिनट बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और सैनिकों को अपनी सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। हालांकि इस फैसले को लेकर सुरक्षा और नियंत्रण को लेकर सवाल भी उठ सकते हैं, क्योंकि इससे हथियारों की संख्या बढ़ेगी। रक्षा विभाग पहले से ही हथियारों के इस्तेमाल और स्टोरेज को लेकर सख्त नियम लागू करता रहा है।

अमेरिका से निर्वासित लोगों का पहला जत्था युगांडा पहुंचा

कंपाला, एजेंसी। अमेरिका से निकाले गए 12 लोगों का पहला समूह युगांडा पहुंच गया है। यह घटना उस समझौते के बाद हुई है, जो अमेरिका और युगांडा के बीच हुआ था। युगांडा लॉ सोसाइटी ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन लोगों को बहुत ही अपमानजनक और अमानवीय तरीके से लाया गया। बताया गया कि इन्हें एक निजी विमान से लाया गया और उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों को बाहर भेजा जा रहा है। खासतौर पर उन लोगों को, जिनको उनके अपने देश वापस नहीं लिया जा सकता। युगांडा के एक मंत्री ने कहा था कि उनका देश ऐसे अफ्रीकी मूल के लोगों को मानवीय आधार पर स्वीकार करेगा, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि जो लोग आए हैं, वे किन देशों के हैं। इस पूरे मामले को लेकर युगांडा में कानूनी चुनौती भी दी जा रही है। कई लोग इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मान रहे हैं और इसे रोकने की मांग कर रहे हैं।

तीन अमेरिकी राज्यों के खिलाफ मुकदमा दायर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रेडिक्शन मार्केट को लेकर अब बड़ा कानूनी विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने तीन राज्यों, कनेक्टिकट, एरिजोना और इलिनोइस, के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह विवाद उन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को लेकर है, जहां लोग भविष्य की घटनाओं (जैसे चुनाव या अन्य नतीजों) पर पैसा लगाते हैं। इन प्लेटफॉर्म्स में कालशी और पॉलीमार्केट जैसे नाम शामिल हैं। दरअसल, इन तीनों राज्यों ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर कहा था कि वे गैरकानूनी ऑनलाइन जुए में शामिल हैं और तुरंत अपना काम बंद करें। एरिजोना ने तो पिछले महीने कालशी के खिलाफ आपराधिक केस भी दर्ज कर दिया था, क्योंकि वहां चुनावों पर सट्टा लगाना कानून के खिलाफ है। लेकिन अब सरकार की एजेंसी कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन (सीएफटीसी) ने कोर्ट में कहा है कि इन प्लेटफॉर्म्स को नियंत्रित करने का अधिकार राज्यों के पास नहीं, बल्कि उनके पास है। सीएफटीसी का कहना है कि अगर हर राज्य अपने हिसाब से नियम बनाएगा, तो इससे धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं के लिए खतरा बढ़ सकता है। वहीं, ट्रंप सरकार ने भी कालशी और पॉलीमार्केट जैसे प्लेटफॉर्म्स का समर्थन किया है। इससे यह मामला और ज्यादा अहम हो गया है, क्योंकि इसका असर भविष्य में ऑनलाइन सट्टेबाजी और स्पोर्ट्स बेटिंग के नियमों पर भी पड़ सकता है। दूसरी तरफ, कनेक्टिकट के अटॉर्नी जनरल विलियम टोंग ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये कंपनियां साफ तौर पर गैरकानूनी जुआ चला रही हैं।

नेपाल : ओली और रमेश लेखक की हिरासत दो दिन बढ़ी, जांच जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक की पुलिस हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी गई है। काठमांडो जिला अदालत के न्यायाधीश विष्णुप्रसाद अवस्थी की एकल पीठ ने जांच के लिए यह अनुमति दी। ओली के अस्पताल में भर्ती होने के कारण उनकी पेशी वर्चुअल माध्यम से की गई। इससे पहले रविवार को अदालत ने दोनों को पांच दिन की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। यह अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने और समय की मांग की थी। गौरतलब है कि जेनजी आंदोलन की घटनाओं की जांच के लिए गठित गौरीबहादुर कार्की आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोनों नेताओं को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

काश पटेल और तुलसी गबार्ड हो सकते है ट्रंप के अगले शिकार?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त कर दिया है। अब ये खबरें सामने आ रही हैं कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के निदेशक काश पटेल का अगला नंबर हो सकता है। इसके साथ ही एफबीआई के भीतर चल रहे विवादों और ट्रंप प्रशासन में कई अन्य बड़े बदलावों की अटकलों ने भी तूल पकड़ लिया है। खबरों की मानें तो नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड का नाम भी उस लिस्ट में शामिल हो सकता है जिन्हें ट्रंप प्रशासन हटाने वाला है। एक दिन पहले ही अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया है। पेंटागन ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि जनरल जॉर्ज तत्काल प्रभाव से सेना के 41वें प्रमुख के पद से रिटायर हो रहे हैं।

काश पटेल की संभावित विदाई : पूर्व एफबीआई एजेंट काइल सेराफिन ने दक्षिणपंथी होस्ट एलेक्स जोंस से बातचीत में सूत्रों के हवाले से एफबीआई में बड़े बदलाव का दावा किया है। सेराफिन के अनुसार इस बात की काफी संभावना है कि काश पटेल को आज ही बर्खास्त कर दिया जाए और विभाग में पूरी तरह से नया फेरबदल किया जाए। सेराफिन ने आगे कहा कि सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है? मेरा अनुमान है कि ट्रंप इसे इस तरह से पेश करना चाहते हैं कि यह उनका अपना फैसला है, न कि किसी दबाव के कारण उठाया गया कदम।

एफबीआई में 'प्रतिशोध अभियान' और पूर्व एजेंटों का मुकदमा : काश पटेल के नेतृत्व में एफबीआई में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के खिलाफ अब कानूनी चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं। इस हफ्ते तीन पूर्व एफबीआई एजेंटों ने अपनी बहाली की मांग करते हुए एक 'क्लास-एक्शन' मुकदमा दायर किया है। इन एजेंटों का दावा है कि 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने के ट्रंप के प्रयासों की जांच में शामिल होने के कारण उन्हें अवैध रूप से दंडित किया गया है। पिछले एक साल में काश पटेल के नेतृत्व में दर्जनों एजेंटों को पद से हटाया गया है। इनमें से कई को ट्रंप से जुड़ी जांचों में शामिल होने के कारण या रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे के प्रति अपर्याप्त रूप से वफादार माने जाने के कारण बर्खास्त किया गया था।

एजेंट और उनका बेदाग रिकॉर्ड : मिशेल बॉल, जेमी गारमन और ब्लेयर टोलमैन नाम के इन तीन एजेंटों को पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में निकाल दिया गया था। मुकदमे के अनुसार, इन तीनों के पास 8 से 14 साल का 'शानदार और बेदाग' सर्विस रिकॉर्ड था। उन्हें उम्मीद थी कि वे अपना पूरा करियर एफबीआई में बिताएंगे, लेकिन उन्हें बिना किसी कारण बताए या अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना ही अचानक बर्खास्त कर दिया गया। इन एजेंटों ने अपनी बर्खास्तगी को ट्रंप पर की गई उनकी जांच के खिलाफ एक 'प्रतिशोध अभियान' करार दिया है।

प्रशासन में अन्य संभावित बदलाव: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में कुछ और अहम पदों पर भी बदलाव करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रशासक ली जेल्डिन को पाम बोंडी की जगह नए अटॉर्नी जनरल के संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड को भी उनके पद से हटाने को लेकर प्रशासन के भीतर चर्चा चल रही है। यह पूरा घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर एक व्यापक पुनर्गठन चल रहा है। एफबीआई में वफादारी और पुरानी जांचों को लेकर चल रही उथल-पुथल के बीच कई बड़े अधिकारियों और एजेंटों की छंटनी की जा रही है, जो अब कानूनी मुकदमों का रूप ले रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने दवाइयों पर शुल्क लगाने के मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के दबाव के बावजूद दवाओं के लिए अपनी सब्सिडी योजना में कोई बदलाव नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने शुक्रवार को सरकार का पक्ष रखा। बटलर ने सेवन नेटवर्क को बताया कि ऑस्ट्रेलिया अमेरिकी प्रशासन के साथ फार्मास्युटिकल बेनेफिट्स स्कीम (पीबीएस) के 'मूलभूत सिद्धांतों' पर कोई बातचीत नहीं करेगा। इस योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में सब्सिडी देती है।

बटलर ने कहा, 'हम अमेरिका को यह सबसे स्पष्ट संदेश लगातार भेज रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वहां बड़ी दवा कंपनियां अपने दबाव में हमारे पीबीएस और दुनिया के अन्य देशों की समान योजनाओं को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' बटलर यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कुछ पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद दे रहे थे।

मार्च के अंत में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक शिकायतों की अद्यतन सूची में अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि पीबीएस अमेरिकी नवाचार का मूल्य कम करके दिखाता है और अनुचित दवा मूल्य निर्धारण प्रथाओं के माध्यम से अमेरिकी उद्योग को प्रभावित करता है। इस योजना के तहत, फार्मास्युटिकल निर्माता सीधे ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ बिक्री पर बातचीत करते हैं ताकि वाणिज्यिक बोली युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड डेटा के अनुसार, 2025 में ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्यात अमेरिका में 1.3 बिलियन डॉलर का था। बायोटेक्नोलॉजी कंपनी सीएसएल ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है, लेकिन बटलर ने कहा कि सरकार को भरोसा है कि मेलबर्न स्थित इस कंपनी को नए शुल्क से छूट मिलेगी क्योंकि इसका अमेरिका में बड़ा उत्पादन आधार है। व्यापार मंत्री डॉन फैरेल के प्रवक्ता ने आस्ट्रेलियन ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन को शुक्रवार को बताया कि सरकार अमेरिकी दवा शुल्क से निराश है और 'अनुचित और गैर-जरूरी' शुल्क को हटाने के लिए दबाव डालना जारी रखेगी।

चीन के नए परमाणु केंद्र में बनीं इमारतें: गुप्त योजनाओं की आशंका, तस्वीरों में दिखी यूरेनियम संवर्धन की मशीनें

बीजिंग, एजेंसी। एक तरफ दुनिया में कई विकसित देश अपना रक्षा बजट बढ़ाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं वहीं चीन लगातार अपने परमाणु हथियार सुविधाएं तेज करने में जुटा है। उसने भारत से करीब 1,400 किमी दूर सिचुआन प्रांत में कुछ गावों को खाली करवाकर एक बड़ी परमाणु सुविधा बनाई है। फरवरी के अंत में उपग्रह चित्रों से इसका खुलासा होने के बाद अब जानकारी मिली है कि यहां पर चीन ने कुछ नई इमारतों का निर्माण भी पूरा कर लिया है। ताजा उपग्रह चित्रों से पता चला है कि चीन ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं का बड़े पैमाने पर विस्तार करने की गुप्त योजनाओं को अमल में लाना शुरू कर दिया है। यहां जिन इमारतों का निर्माण हो चुका है उनमें रेडिएशन मॉनिटर व धमाका रोधी दरवाजे लगे होने तथा यूरेनियम और प्लूटोनियम के लिए मशीनें लगने की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। उपग्रह तस्वीरों में साइट पर दिख रहे बड़े बड़े ट्रालों में रखीं मशीनों की मौजूदगी से इनके यूरेनियम या प्लूटोनियम होने की आशंका जताई जा रही है। चीन ने इस जगह को साइट-906 नाम दिया है। फरवरी मध्य और मार्च अंत में दिखे उपग्रह चित्र बताते हैं कि इस साइट पर काम उम्मीद से अधिक तेजी से हो रहा है। इसे 3 अन्य एटमी ठिकानों से जोड़ा गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में जब इस परमाणु सुविधा के लिए जमीन खाली कराई गई तो कुछ ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखकर पूछा था कि सरकार उनकी जमीन क्यों जब्त कर रही है? इस पर अधिकारियों ने इसे सरकार की गुप्त योजना बताया था। लेकिन चार साल बाद जो उपग्रह चित्र मिले हैं वह बताते हैं कि चीन ने यहां गांव खाली करवाकर बड़ी ही तेजी से परमाणु सुविधाओं के विकास का निर्माण ढांचा तैयार किया है। सिचुआन प्रांत का दुर्गम-कठिन पहुंच वाला स्थान चुना चीन का सिचुआन प्रांत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है। पूर्व में उपजाऊ, घनी आबादी वाला सिचुआन बेसिन और पश्चिम में ऊबड़-खाबड़ तिब्बती पठार तथा हेंगडुआन पर्वत मौजूद है। यहां यांग्जी नदी और उसकी सहायक मिन, तुओ और जियालिंग व टोंगजियांग नदियों के किनारे पर यह सुविधा विकसित की गई है।

2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाना स्थापित करने को लेकर अमेरिकी विधेयक पेश

वॉशिंगटन , एजेंसी। एक अमेरिकी सांसद ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने के प्रारंभिक ढांचे स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना है कि यह कदम अंतरिक्ष में चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका की नेतृत्व भूमिका बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। कीथ सेल्फ ने नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने की स्थापना के लिए निर्देशित करने वाला विधेयक पेश किया, जो आर्टेमिस II मिशन के प्रक्षेपण के एक दिन बाद सामने आया। यह मिशन पांच दशकों से अधिक समय में पहली मानवयुक्त उड़ान है जो चंद्र कक्षा तक गई। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मौजूदा अमेरिकी अंतरिक्ष कानून में संशोधन करना है और 31 दिसंबर 2030 तक प्रारंभिक ठिकाना स्थापित करने की समयसीमा तय करता है।

कीथ सेल्फ ने कहा, 'कल रात अमेरिका ने दुनिया को याद दिलाया कि हम पृथ्वी के सबसे महान अंतरिक्ष यात्री देश हैं लेकिन जश्न मनाना कोई रणनीति नहीं है। अगर हमें अंतरिक्ष में अपनी नेतृत्व भूमिका बनाए रखनी है, तो हमें चंद्रमा पर स्थायी रूप से मानव उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के अनुसार, नासा प्रशासक को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर प्रारंभिक बुनियादी ढांचा स्थापित करना होगा। यह क्षेत्र जल-बर्फ की मौजूदगी के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसे रॉकेट ईंधन में बदला जा सकता है। साथ ही, यहां हीलियम-3 और दुर्लभ खनिज भी पाए जाते हैं। सेल्फ ने इस मिशन को आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा केवल एक गंतव्य नहीं है बल्कि यह एक नए औद्योगिक युग की नींव है। यहां के संसाधन अंतरिक्ष निर्माण, खनन और निर्माण कार्यों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां पहले से ही इस दिशा में तकनीक विकसित कर रही हैं लेकिन उन्हें सरकार के निरंतर समर्थन और चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति की जरूरत है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने भी दशक के अंत तक चंद्रमा के इसी क्षेत्र में एक अनुसंधान स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है। सेल्फ ने कहा, 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष में हमारा साझेदार नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धी है और वह जीतने के इरादे से आगे बढ़ रही है। चंद्र संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय कानून अभी स्पष्ट नहीं है। जो देश पहले वहां स्थायी उपस्थिति स्थापित करेगा, वही नियम तय करेगा। ' आर्टेमिस II मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन स्पेसक्राफ्ट के जरिए चंद्रमा के पास से गुजरेंगे। यह 1972 के बाद पहला मानवयुक्त गहरे अंतरिक्ष का मिशन है। सेल्फ का मानना है कि स्थायी चंद्र ठिकाना अमेरिका के लिए आर्थिक लाभ भी लाएगा। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा पर ठिकाना बनने से अमेरिका में रोजगार, नवाचार और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा मिलेगा। नेतृत्व करने का यह मौका खुला है और यह विधेयक सुनिश्चित करता है कि हम इसे गंवाएं नहीं।' यह प्रस्ताव पहले नासा रिएथराइजेशन एक्ट के हिस्से के रूप में पेश किया गया था, जिसे फरवरी में समिति की मंजूरी मिली थी और अब इसे एक अलग विधेयक के रूप में दोबारा पेश किया गया है।

पाकिस्तान में डीजल 520 रुपये लीटर हुआ, पेट्रोल भी 450 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने की कोशिश में लगा पाकिस्तान बड़े तेल संकट से जूझ रहा है। इसके चलते मुल्क में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा दिए गए हैं। शुक्रवार से ये नए दाम प्रभावी हो जाएंगे। बीते महीने भी पाकिस्तान ने कीमतों में करीब 20 प्रतिशत का इजाफा किया था।

अब क्या हैं रेट : पाकिस्तान ने गुरुवार को डीजल की रेट बढ़ाकर 520.35 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 458.40 रुपये प्रति लीटर कर दीं। एक ओर जहां डीजल रेट 54.9 फीसदी बढ़े हैं। वहीं पेट्रोल में 42.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से यह कदम उठाया गया।

सरकार ने युद्ध को बताया जिम्मेदार : पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इसका जिम्मेदार कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों को बताया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, 'अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें नियंत्रण के बाहर चली गई हैं। ऐसे में रेट बढ़ने ही थे।'

कराची पहुंचा एक जहाज : बुधवार को ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकला एक जहाज कराची पोर्ट पहुंचा था। ट्रस्ट के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि इसके अलावा एक दूसरा जहाज भी दूसरे मार्ग से बंदरगाह पर पहुंचा है। प्रवक्ता शारिक फारूकी ने कहा कि इस महीने खाड़ी देशों से जरूरी तेल की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान के झंडे वाले और भी जहाजों के आने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ दिनों पहले ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि ईरान होर्मुज से 20 अतिरिक्त पाकिस्तानी जहाजों को गुजरने देने पर सहमत हो गया है।

चीन के साथ मिलकर दिया प्लान : चीन और पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए पांच सूत्री प्रस्ताव रखा है। इन प्रस्तावों में शत्रुता को तुरंत समाप्त करने, जल्द से जल्द शांति वार्ता शुरू करने, गैर-सैन्य लक्ष्यों की सुरक्षा और नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर को मानने जैसे प्रावधान शामिल थे।

अमेरिका में भी महंगी हुई गैस : पश्चिमी एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका में औसत उपभोक्ता के लिए गैस की कीमतों में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। कीमतों की इस वृद्धि से हाल बहुत जल्द राहत मिलने की भी उम्मीद नजर नहीं आती, क्योंकि होर्मुज कुछ देशों के जहाजों को छोड़कर सभी के लिए बंद है। होर्मुज का बंद होना वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को खासा प्रभावित कर रहा है, क्योंकि इस मार्ग से दुनिया के तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख को पद छोड़ने का दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने प्रभावी रूप से अपना पद त्याग दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच, हेगसेथ का यह कड़ा फैसला पेंटागन में बड़े प्रशासनिक फेरबदल का संकेत दे रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा, 'जनरल रैंडी ए. जॉर्ज आर्मी के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो रहे हैं। रक्षा विभाग देश के लिए उनकी दशकों की सेवा के लिए उनका आभारी है और उनके रिटायरमेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।' अमेरिकी सेना और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हेगसेथ ने जॉर्ज से पद छोड़ने के लिए कहा था। उनकी जगह सेना के उप सेनाध्यक्ष जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल क्रिस्टोफर लानेव सीनेट से उनके उत्तराधिकारी की पुष्टि होने तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे।

हता दें, जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सितंबर 2023 में सेना के प्रमुख बने थे, उनके पास आम तौर पर चार साल के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल बाकी थे। हेगसेथ के ऑफिस संभालने के बाद जॉर्ज पद छोड़ने वाले सबसे नए वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। यह बदलाव सिर्फ एक पोस्ट से कहीं ज्यादा है। रिपोर्टिंग में बताए गए रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, जॉर्ज के साथ दो और आर्मी जनरलों को भी हटा दिया गया, जिनमें ट्रेनिंग और चैपलेंसी के काम देखने वाले वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। इस कदम पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने कहा, 'जनरल रैंडी जॉर्ज एक जबरदस्त पब्लिक सर्वेंट और सैनिक हैं। यह निराशाजनक है कि उनके जैसे अधिकारी को इसलिए किनारे कर दिया गया क्योंकि राष्ट्रपति एक ऐसा आदमी चाहते हैं जो उनकी हां में हां मिलाए। विंडमैन ने पेंटागन लीडरशिप की भी आलोचना करते हुए कहा, 'अगर पेंटागन में नेतृत्व की गुणवत्ता पर सवाल हैं, तो ये सवाल सेक्रेटरी हेगसेथ को लेकर उठाया जाना चाहिए, न कि उन पर जिन्होंने अपना करियर सम्मान के साथ हमारे देश की सेवा में बिताया है।' यह बदलाव अमेरिकी सेना में बड़े तनाव के बीच हुआ है। इसके अलावा, हेगसेथ ने हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर क्रू से जुड़ी एक घटना में दखल देकर विवाद खड़ा कर दिया था। इस घटना से जुड़ा सस्पेंशन हटाने के बाद उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'कोई सजा नहीं। कोई जांच नहीं। देशभक्तों, आगे बढ़ो। ' पेंटागन ने जॉर्ज को हटाने के पीछे के कारणों के बारे में डिटेल में नहीं बताया है। सेना प्रमुख का पद अमेरिका में सबसे सीनियर सैन्य पदों में से एक है।

अमेरिका में बड़ा हेल्थकेयर घोटाला, पचास मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का भंडाफोड़

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के तहत कैलिफोर्निया में एफबीआई ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने झूठे होस्पिस केयर केंद्र चलाकर मेडिकेयर से करीब 50 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। आरोपियों में नर्स, डॉक्टर, साइकोलॉजिस्ट और कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। जांच में पता चला कि मरीजों को वास्तविक टर्मिनल बीमारी के बिना दाखिल कर बिल बनाया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली और टैक्सदाताओं को भारी नुकसान हुआ। बता दें कि यह कार्रवाई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले टास्क फोर्स टू एलीमिनेट फ्रॉड के सहयोग से की गई। एफबीआई और अभियोजन के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में तीन नर्सें, एक डॉक्टर, एक साइकोलॉजिस्ट और एक कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे मरीजों को होस्पिस में दाखिल कर बिल बनाया, जिनकी वास्तव में टर्मिनल बीमारी नहीं थी। आमतौर पर होस्पिस में लोग जीवन के अंतिम चरण में जाते हैं, लेकिन इन केंद्रों में मरीजों की जीवित रहने की दर राष्ट्रीय औसत 17% से पांच गुना ज्यादा थी।

मुख्य आरोपियों में कौन-कौन है- ग्लैडविन और एमेलौ गिल- 626 होस्पिस के मालिक, जिन पर 5.2 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने और गैरकानूनी किकबैक देने का आरोप। लोलीता बेरोनिला मिनर्ड- टोपांगा होस्पिस की मालिक, जिन पर 9 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप। सोनिया ग्रिफेन- हेल्थकेयर फ्रॉड में पांच मामलों में आरोपित। ग्रेगरी कार्टमेल- कायरोप्रैक्टर, हेल्थकेयर फ्रॉड और आईडेंटिटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार। इवान वर्न लॉरिट्जन- वैली पैसिफिक होस्पिस के सीईओ और सीएफओ, जिनकी मेडिकेयर एनरोलमेंट 2024 में रद्द हो चुकी थी।नीता अल्मुएटे पड्डिट पाल्मा और पति अदोल्फो कैटबैगन- तीन झूठे होस्पिस केंद्र चलाने और वायर फ्रॉड करने के आरोप। एफबीआई के सहायक निदेशन ने दी जानकारी मामले में एफबीआई के लॉस एंजिलेस क्षेत्र के सहायक निदेशक अकील डेविस ने कहा कि दक्षिण कैलिफोर्निया हेल्थकेयर धोखाधड़ी के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। अमेरिका हर साल हेल्थकेयर धोखाधड़ी में सैकड़ों अरब डॉलर खो देता है, जिससे आम लोगों के बीमा प्रीमियम और टैक्स बढ़ते हैं। ऐसे में अब यह मामला अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और झूठे होस्पिस संचालन की गंभीरता को उजागर करता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)